mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-41 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

11 अगस्त 2025 सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

रोहित शर्मा और @ पेज 7

सीतारमण श्रीकृष्ण मठ में भारत लक्ष्मी उपाधि से सम्मानित

बोलीं- मानव सेवा ही ईश्वर सेवा

उडुपी (कर्नाटक), एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शनिवार को उडुपी के श्री कृष्ण मठ में पर्याय पुत्तिगे मठ के सुगुणेन्द्र तीर्थ स्वामी ने भारत लक्ष्मी की उपाधि प्रदान की। सीतारमण मंदिर नगरी उडुपी इसलिए आई थीं, ताकि मठ के चारों ओर बने यागली (पारंपरिक शैली के विशेष ढांचे) का उद्घाटन कर सकें। सुगुणेन्द्र तीर्थ स्वामी ने सम्मान पत्र पढ़ते हुए सीतारमण की ईमानदारी और समर्पण की प्रशंसा की, जो उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में दिखाया है। इस सम्मान को पाकर भावुक हुई सीतारमण ने याद किया कि वह पहली बार 2005 में उडुपी आई थीं, तब उन्हें एक कृष्ण प्रतिमा मिली थी, जिसकी वह आज भी पूजा करती हैं।

उन्होंने अष्ट मठों की सेवा की संस्कृति की सराहना की और हर दिन हजारों भक्तों को भोजन कराए जाने की अन्नब्रह्म परंपरा को भक्ति और समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने पुत्तिगे स्वामी द्वारा चलाए जा रहे कोटि गीता लेखना यज्ञ की भी सराहना की, जिसमें एक करोड़ हाथ से लिखी गई भगवद गीता की प्रतियां एकत्र की जा रही हैं। उन्होंने इसे भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को पूरे विश्व में फैलाने का अद्भुत प्रयास बताया।

शादी के लिए राजस्थान में बेच दी गई थी बंगाल की लड़की

सीबीआई ने बचाया

कोलकाता,एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले से लापता हुई एक नाबालिग लड़की को राजस्थान के पाली जिले से बरामद किया है। यह लड़की अगस्त 2023 से लापता थी। मामले में सीबीआई ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है और मानव तस्करी के बड़े नेटवर्क की आशंका जताई है।

सीबीआई के अनुसार, यह नाबालिग 9 अगस्त 2023 को ट्यूशन के लिए घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। शुरू में जांच स्थानीय पुलिस और फिर पश्चिम बंगाल सीआईडी ने की। बाद में पीड़िता की मां की याचिका पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 8 फरवरी 2024 को मामला सीबीआई की स्पेशल क्राइम ब्रांच को सौंप दिया। सीबीआई ने 16 फरवरी 2024 को मामला दर्ज किया।जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य सूचनाओं के आधार पर सीबीआई को पता चला कि लड़की को राजस्थान के पाली जिले में भेजा गया है। टीम ने वहां छापेमारी कर 8 अगस्त 2025 को लड़की को एक आरोपित के घर से बरामद कर लिया।सीबीआई ने शनिवार सुबह जारी अपने बयान में बताया कि लड़की नाबालिग थी, लेकिन शादी के लिए तैयार किए गए शपथ पत्रों में उसे बालिग दिखाया गया। उसे शादी के लिए दो बार बेचा गया था। एजेंसी को शक है कि यह घटना किसी बड़े मानव तस्करी गिरोह का हिस्सा है।गिरफ्तार आरोपितों में भरत कुमार, जगदीश कुमार, मीना दापुबेन, रता राम और दिलीप कुमार शामिल हैं।

आर्मी चीफ बोले-ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार ने फ्रीहैंड दिया था

हम चेस खेल रहे थे, न हमें, न दुश्मन को पता था अगला कदम या होगा

चेन्नई, एजेंसी। भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने हमें फ्री हैंड दिया था। ऑपरेशन में हम चेस खेल रहे थे। हमें नहीं पता था दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। उन्होंने कहा- हम शतरंज की चालें चल रहे थे और वह (दुश्मन) भी शतरंज खेल रहा था। कहीं हम उन्हें शह और मात दे रहे थे तो कहीं हम अपनी जान गंवाने के जोखिम पर भी हार मान रहे थे, लेकिन यही तो जिंदगी है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि इसे ग्रे जोन कहा जाता है। इसका मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे हैं। 4 अगस्त को IIT मद्रास में अग्निशोध- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल (IARC) के उद्घाटन के दौरान उन्होंने यह बात कही थी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर- आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक नया अध्याय पर भी संबोधित किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सुनियोजित, खुफिया-आधारित ऑपरेशन बताया, जो एक सैद्धांतिक बदलाव को दर्शाता है।

25 अप्रैल को प्लानिंग की, 29 अप्रैल पीएम से मुलाकात हुई

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- 25 अप्रैल को हमने उत्तरी कमान का दौरा किया। यहां ऑपरेशन की प्लानिंग की, जिसमें हमने 9 में से 7 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, इसमें कई आतंकी भी मारे गए। उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण है कि कैसे एक छोटा सा नाम ऑपरेशन सिंदूर पूरे देश को जोड़ता है। यह एक ऐसी बात है जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। यही कारण है कि पूरा देश कह रहा था कि आपने इसे क्यों रोक दिया यह सवाल पूछा जा रहा था और इसका भरपूर जवाब दिया गया है।

क्या है अग्निशोध

अग्निशोध- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल (IARC) डिफेंस टेक्नॉलॉजी में बड़ा कदम है। इसका मोटिव सैन्य कर्मियों को एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम कंप्यूटिंग, वायरलेस कम्युनिकेशन और अनमैन्ड सिस्टम जैसे एरिया में कुशल बनाना है। जिससे टेक्नॉलॉजी की योग्यता रखने वाली फोर्स बनाई जा सके।

उपभोक्ता निवारण आयोग ने इंडिगो को सेवा में कमी का दोषी ठहराया

महिला को 1.5 लाख का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक उपभोक्ता मंच (कंज्यूमर फोरम) ने इंडिगो एयरलाइन को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। यह मामला एक महिला को गंदे और दागदार सीट पर बैठने के कारण हुई परेशानी से जुड़ा है। फोरम ने एयरलाइन को 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, ताकि उस महिला को हुई असुविधा, दर्द और मानसिक पीड़ा की भरपाई की जा सके। नई दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिंकी नाम की महिला की शिकायत पर यह फैसला सुनाया। पिंकी ने बताया कि दो जनवरी को बाकू से नई दिल्ली की उड़ान में उन्हें एक अस्वच्छ, गंदी और दागदार सीट दी गई थी। पिंकी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस बारे में शिकायत की, तो एयरलाइन ने इसे हल्के में लिया और असंवेदनशील तरीके से बात को टाल दिया। एयरलाइन ने जवाब में कहा कि उन्होंने पिंकी की परेशानी को गंभीरता से लिया और उन्हें दूसरी सीट दी, जिस पर बैठकर उन्होंने अपनी यात्रा पूरी की।

अब बिहार डिप्टी सीएम के भी दो वोटर-कार्ड सामने आए

तेजस्वी बोले- या तो चुनाव आयोग ने किया फर्जीवाड़ा या विजय सिन्हा फर्जी हैं

पटना, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद अब डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के भी दो EPIC नंबर मिले हैं। मतदाता सूची में विजय सिन्हा का लखीसराय और पटना के बांकीपुर विधानसभा के नाम से EPIC नंबर दर्ज है।

हालांकि, डिप्टी सीएम ने 2020 के एफिडेविट में अपनी उम्र-54 और एड्रेस- एग्जीबिशन रोड, स्थित पुष्प बिहार अपार्टमेंट के बगल में मां भवानी शारदालय, पटना बताया था। ये एड्रेस दोनों ही

वोटर आईडी कार्ड पर नहीं है। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तेजस्वी ने कहा- विजय कुमार सिन्हा का दो EPIC नंबर है। वो भी दो विधानसभा क्षेत्रों में, जिनमें उम्र भी अलग अलग है। तेजस्वी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ने दौरान ऑफिशियल वेबसाइट पर दोनों EPIC को ऑनलाइन चेक कर दिखाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली चली गई। इस पर तेजस्वी ने कहा, ये वही मुख्यमंत्री जी का बिजली फ्री है क्या

तेजस्वी बोले- या तो विजय सिन्हा फर्जी या EC ने फर्जीवाड़ा किया :तेजस्वी यादव ने कहा, जो हमलोग SIR को लेकर आरोप यही न लगा रहे हैं। या तो विजय सिन्हा ने दो जगह जाकर साइन किया होगा। या तो चुनाव आयोग ने फर्जीवाड़ा किया है या तो बिहार का डिप्टी सीएम फर्जी हैं। उन्होंने आगे कहा, चुनाव आयोग से हमलोग निष्पक्षता और ट्रांसपेरेंसी की बात कर रहे हैं। तेजस्वी के ऊपर मीडिया ट्रायल हुआ। दिल्ली में बैठकर लोग मुझे जेल भेज रहे थे। 7 अगस्त की शाम मुझे EC की ओर से नोटिस आया। हमने अगले दिन 8 तारीख को जवाब दिया।

मोदी बेंगलुरु में, 3 वंदेभारत को हरी झंडी दिखाई

मेट्रो की यलो लाइन का उद्घाटन किया; कर्नाटक सीएम डिप्टी सीएम से साथ मेट्रो का सफर भी किया

बेंगलुरु,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कर्नाटक के दौरे पर हैं। उन्होंने बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं।

पीएम मोदी बेंगलुरु और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। पीएम ने बेंगलुरु मेट्रो की येलो लाइन का भी उद्घाटन किया। जो आरवी रोड (रगिगुड्डु) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी। मेट्रो के उद्घाटन के

बाद पीएम मोदी ने कर्नाटक सीएम सिद्दारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, कर्नाटक के गर्वनर थावर चंद गहलोत, हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के साथ ट्रेन में सफर भी किया।

इस मेट्रो लाइन की लंबाई 19.15 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन हैं। इस प्रोजेक्ट पर करीब 7,160 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इन हाई-स्पीड ट्रेनों से यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक सफर का अनुभव मिलेगा और यात्रा समय में बड़ी कमी आएगी।

मेट्रो नेटवर्क 96 किलोमीटर बढ़ेगा : येलो लाइन शुरू होने के बाद बेंगलुरु मेट्रो का कुल नेटवर्क 96 किलोमीटर से ज्यादा हो जाएगा, जिससे लाखों यात्रियों को फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री खुद इस मेट्रो में सफर भी करेंगे और आरवी रोड से इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक की यात्रा करेंगे।

फेज-3 मेट्रो प्रोजेक्ट का शिलान्यास- पीएम मोदी बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 का शिलान्यास भी करेंगे। इसकी लागत 15,610 करोड़ रुपए है। इसकी लंबाई 44 किलोमीटर से ज्यादा है। इसमें 31 स्टेशन है। यह प्रोजेक्ट शहर के रिहायशी, इंडस्ट्रियल, कारोबारी और शैक्षिक इलाकों को जोड़ेगा।

प्रियांक खरगे का भाजपा पर करारा हमला, कहा- बंगलूरू मेट्रो के येलो लाइन प्रोजेक्ट का श्रेय हड़पा

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक में पीएम मोदी के बंगलूरू मेट्रो येलो लाइन प्रोजेक्ट के लोकार्पण करने को लेकर कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने भाजपा पर हमला बोला है। प्रियांक खरगे ने कहा कि भाजपा ने प्रोजेक्ट के श्रेय को हड़प लिया है। यह मेट्रो परियोजना मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के तहत शुरू की गई थी और इसमें राज्य सरकार का योगदान पीएम

मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार से ज्यादा है। एक्स पर पोस्ट में प्रियांक खरगे ने कहा कि मैं येलो लाइन मेट्रो के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कर्नाटक में स्वागत करता हूं। जहां भाजपा येलो लाइन के दूसरे चरण का श्रेय हड़पकर वोट चोरी से क्रेडिट चोरी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही है, वहीं सच्चाई सामने आनी चाहिए। मेट्रो परियोजना डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के तहत शुरू की गई थी। पहले चरण में यूपीए सरकार ने लागत का एक बड़ा हिस्सा वहन किया, जो राज्य सरकार के योगदान से कहीं ज्यादा था।

तेलंगाना आरक्षण विधेयक को मंजूरी न मिलने पर कांग्रेस नाराज, भाजपा के सामाजिक न्याय पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को तेलंगाना आरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी न दिए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए भाजपा पर निशाना साधा और उनके सामाजिक न्याय को कटघरे में खड़ा किया। तेलंगाना आरक्षण विधेयक में पिछड़े वर्ग को तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनाव, शिक्षा और रोजगार में 42 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है।

बिहार के आरक्षण विधेयक का दिया उदाहरण :जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि जब बिहार में ऐसा ही आरक्षण विधेयक आया था, तब उसे तुरंत मंजूरी दे दी गई थी। जयराम रमेश ने भाजपा के सामाजिक न्याय पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण में रुकावट डाल रही है।

गडकरी बोले- दुनिया झुकती है, झुकाने वाला चाहिए

हम कई समस्याओं का सामना कर रहे; विश्वगुरु बनना है तो इम्पोर्ट कम और एक्सपोर्ट बढ़ाना होगा

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में अभी जिन विषयों पर चर्चा हो रही, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। विश्व में हम अनेक तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि दुनिया झुकती है, बस झुकाने वाला चाहिए। गडकरी शनिवार को नागपुर में स्थित विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VNIT) के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

गडकरी ने ये भी कहा- सबसे बड़ी राष्ट्रभक्ति यह हो सकती है कि हम इम्पोर्ट को कम करें और एक्सपोर्ट को बढ़ाएं। विश्वगुरु बनने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने बताया कि दुनिया की सभी समस्याओं का उपाय साइंस, टेक्नोलॉजी और नॉलेज है। अगर हम नॉलेज और पावर का इस्तेमाल करेंगे तो दुनिया के सामने झुकना नहीं पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के 3 दिन बाद कही हैं। ट्रम्प का 25त्न अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगेगा।

गडकरी बोले- कुछ देश दुनिया में दादागिरी कर रहे

गडकरी ने कहा, आर्थिक रूप से संपन्न होने की वजह से दुनिया में कुछ देश दादागिरी कर रहे हैं। उनके पास टेक्नोलॉजी है। अगर हमारे पास उनसे अच्छी टेक्नोलॉजी और रिसोर्स आएंगे तो हमें दादागिरी नहीं करनी है। हमारी संस्कृति कहती है कि विश्व का कल्याण हो। हमने कभी नहीं कहा कि अपना कल्याण पहले करो, फिर दुनिया का। केंद्रीय मंत्री ने कहा- सभी जिले, राज्य और क्षेत्रों में अलग-अलग बातें हैं। जहां कचरा ज्यादा है, वहां भी अलग तरह का काम हो सकता है। टेक्नोलॉजी और साइंस में हमारे इंस्टीट्यूशन और साइंटिस्ट उस दिशा में काम करेंगे। इससे देश की प्रगति और विकास दर तीन गुना बढ़ जाएगी।

धराली त्रासदी: एक्सपर्ट बोले-देवदार के पेड़ आपदा रोक सकते थे

कभी एक वर्गकिमी में 500 पेड़ थे, बिल्डिंग और परियोजनाओं के चलते 200-300 पेड़ बचे

देहरादून, एजेंसी। उत्तरकाशी के धराली में हुए हादसे को देवदार के पेड़ रोक सकते थे। हिमालय पर कई रिसर्च बुक लिख चुके प्रोफेसर शेखर पाठक बताते हैं कि कभी उत्तराखंड का उच्च और ट्रांस हिमालय (समुद्र तल से 2000 मीटर से ऊपर का क्षेत्र) इसी पेड़ के जंगलों से भरा था। एक वर्ग किलोमीटर में औसतन 400-500 देवदार पेड़ थे।

देवदार पेड़ों की सबसे ज्यादा तादाद आपदाग्रस्त धराली से ऊपर गंगोत्री वाले हिमालय में थी। फिर चाहे बादल फटे या लैंडस्लाइड हो, देवदार मलबा-पानी नीचे नहीं आने देते थे। लेकिन 1830 में इंडो-अफगान युद्ध से भागे अंग्रेज सिपाही फैडरिक विल्सन ने हर्षिल पहुंचकर देवदार को काटने का जो दौर शुरू किया, वो आज भी बंद नहीं हो पाया। प्रोफेसर पाठक ने कहते हैं कि आज देवदार काटकर बिल्डिंग बन गई, कई प्रोजेक्ट शुरू हुए। इसका नतीजा यह हुआ कि इस इलाके के एक वर्ग किमी में औसतन 200-300 पेड़ ही हैं, वो भी नए और कमजोर। धराली की तबाही उसी का परिणाम है। गांव में जिस रास्ते से तबाही नीचे आई,

वहां देवदार का घना जंगल था। लेकिन वो जंगल तबाह हो चुका है। उत्तरकाशी जिले के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था। अब तक 5 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। 100 से 150 लोग लापता हैं, वे मलबे में दबे हो सकते हैं। 1000 से ज्यादा लोगों को एयरलिफ्ट किया गया है। हिमालयवासी देवदार को भगवान की तरह पूजते हैं प्रोफेसर शेखर पाठक बताते हैं कि उत्पत्ति के बाद हिमालय की मजबूती में देवदार ने सबसे अहम किरदार निभाया, क्योंकि इसका जंगल काफी घना होता है। इसके नीचे के हिस्से में बांज जैसी घनी झाड़ियां होती है। यह एक सिस्टम है, जो भूधंसाव या बादल फटने पर भी हिमालय की मिट्टी को जकड़ कर रखता है। इसलिए हिमालयवासी इसे भगवान की तरह पूजते हैं। लेकिन 19वीं सदी में इसे ही बेरहमी से काटने का जो दौर विल्सन ने शुरू किया, वो आज भी जारी है।

उमीदवारों से 1 लाख का बॉन्ड भरवाने के नियम पर बवाल, एबीवीपी-एनएसयूआई ने किया विरोध

दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव (डूसू) को लेकर एक लाख रुपये का बॉन्ड भरने और उम्मीदवार के नाम से पोस्टर लगाने पर 25 हजार रुपये के जुर्माने के प्रावधान को लेकर छात्र संगठनों का विरोध शुरू हो गया है। छात्र संगठनों एनएसयूआई च एबीवीपी ने चुनाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों पर आपत्ति जताई है। जहां एनएसयूआई ने चुनाव लड़ने के लिए एक लाख का बॉन्ड भरवाने से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को चुनाव लड़ने से रोकने का प्रयास कहा है वहीं एबीवीपी ने इस प्रावधान को छात्र विरोधी और अलोकतांत्रिक करार दिया है। एनएसयूआई इन निर्देशों के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी कर रहा है।

छात्र संगठनों की आपत्ति क्यों: नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी नई एंटी-डीफेसमेंट अधिसूचना की कड़ी निंदा की है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि लिंगदोह समिति ने 5,000 की चुनावी खर्च सीमा तय की है। उम्मीदवारों से एक लाख को जमानत राशि मांगना असांविधानिक है जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है और यह आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को चुनाव लड़ने से रोक देगा। यदि कोई उम्मीदवार के नाम से नकली पोस्टर लगाता है तो उम्मीदवार को 24 घंटे में उन्हें हटाने के लिए मजबूर करना या 25,000 का जुर्माना और यहां तक कि निलंबन का प्रावधान अन्यायपूर्ण और अव्यवहारिक है। उन्होंने कहा कि लिंगदोह समिति उचित प्रक्रिया का प्रावधान करती है न कि स्वतः दंड का।

पोस्टर और जुर्माना- छात्र संगठनों की चिंता : उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय उच्च न्यायालय और एनजीटी के आदेशों की भाषा चुनकर ऐसे प्रावधान थोप रहा है जो कानून और लिंगदोह की सिफारिशों से कहीं आगे हैं और विपक्षी आवाजों को डराने के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं। एनएसयूआई का आरोप है कि प्रशासन चुनाव प्रक्रिया को एबीवीपी के पक्ष में झुकाने का प्रयास कर रहा है। एनएसयूआई लिंगदोह समिति की सिफारिशों और न्यायालय के आदेशों के अनुसार स्वच्छ और निष्पक्ष छात्र चुनावों का समर्थन करती है। एनएसयूआई ने मांग की है कि चुनाव के लिए लिंगदोह समिति और न्यायालय के आदेशों को पूरी तरह और निष्पक्ष रूप से लागू किया जाए। नियमों का हथियार बनाकर सामान्य छात्रों को चुनाव से बाहर ना किया जाए। चुनाव की निगरानी सख्त लेकिन निष्पक्ष तरीके से को जाए।

सभी वर्गों की भागीदारी हो सुनिश्चित : एबीवीपी ने प्रत्येक उम्मीदवार से लाख रुपये का बॉन्ड भरने के प्रावधान को छात्र विरोधी और अलोकतांत्रिक करार देते हुए इसकी निंदा की है। कहा कि यह प्रावधान विशेष रूप से सामान्य एवं आर्थिक रूप से कमजोर तबके के छात्रों को चुनाव लड़ने से रोकने का काम करेगा। एबीवीपी का कहना है कि डूसू छात्रसंघ चुनाव देश की राजनीति को दिशा देने वाला एक प्रमुख मंच है ।

19 घंटे 40 मिनट चला विधानसभा का मानसून सत्र, तीन विधेयक पास

दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा का मानसून सत्र 19 घंटे 40 मिनट चला। इसमें जनता के हित में तीन अहम विधेयक, दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क विनियमन) विधेयक-2025 और दिल्ली माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 ध्वनिमत से पास हुए। शिक्षा विधेयक पर दो दिन तक 24 विधायकों ने चर्चा की। वहीं, इस बार नियम 280 के तहत 171 जन मुद्दे शामिल किए गए जिनमें से 62 पर चर्चा हुई। पानी की कमी, सड़क मरम्मत, सरकारी स्कूलों में सुविधाएं और बिजली आपूर्ति से जुड़ी इन समस्याओं का समाधान 30 दिन में करने के लिए विभागों को निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा में नियम 54 के तहत मुस्तफाबाद के जर्जर अस्पताल को नए सिरे से बनाने और दिल्ली के जलसंकट को दूर करने के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह और जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इन समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने फांसी घर मामले को उठाया। उन्होंने इस ढांचे का नाम बदलकर टिफिन कक्ष कर दिया है। सदन ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, निसार उपग्रह प्रक्षेपण और सफलता की सराहना की।

किसकी हैं ये लाशें- दिल्ली में संदिग्ध हालत में मिले दो शव, एक 37 तो दूसरा है 40 साल का; नहीं हुई शिनाख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉडल टाउन और राज पार्क थाना इलाके में पुलिस को संदिग्ध हालत में दो शव मिले हैं। दोनों शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों के पास से ऐसे कोई कागजात नहीं मिली, जिससे की उनकी पहचान हो सके। वहीं, पुलिस शव की शिनाख्त के लिए स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। इसके अलावा पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। मॉडल टाउन पुलिस के मुताबिक, आजाद पुर स्थित एमसीडी कॉलोनी के मदर डेयरी के पास एक शव के पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास की जांच की, लेकिन पुलिस को ऐसा कोई सुराग नहीं मिला, जिससे की शव की पहचान हो सके। जानकारी के मुताबिक, यह शव एक युवक का है और उसकी उम्र करीब 37 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने इस शव को बाबू जग जीवन राम अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। वहीं, दूसरी ओर राजा पार्क थाना पुलिस के मुताबिक दूसरा शव सात अगस्त को सुल्तानपुरी-नांगलोई अंडरपास से बरामद किया गया है। यहां से भी पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिली है, जिससे की इसकी पहचान हो सके। यह शव 40 वर्षीय एक शख्स का बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस दोनों शवों की पहचान में जुटी है।2023-24 की वित्तीय, विनियोग लेखा (विभिन्न विभागों और योजनाओं के लिए स्वीकृत बजट के उपयोग का विवरण) और श्रमिक कल्याण व भवन निर्माण पर सीएजी की रिपोर्ट पेश हुई। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि सीएजी की श्रमिक कल्याण रिपोर्ट व लोक लेखा समिति (पीएसी) को जांच के लिए भेजा गया। व्यापार सलाहकार और नियम समिति की सिफारिशों से सत्र का कामकाज आसानी से चला। ये सत्र लोगों की समस्याओं को हल करने और पारदर्शिता रखने में सफल रहा। पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों दलों के सदस्यों को सदन में अपने क्षेत्र की समस्याएं रखने का पूरा मौका दिया गया।

बेकाबू थार का कहरः तेज रफ्तार गाड़ी ने दो लोगों को कुचला, एक शख्स की मौके पर ही मौत

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर बेकाबू तेज रफ्तार थार का कहर देखने को मिला है। थार ने सड़क पर पैदल चल रहे दो लोगों को कुचल दिया। जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, हादसा नई दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में हुआ है। थार गाड़ी ने दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि दूसरे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना 11 मूर्ति के पास हुई है।

गाड़ी से शराब की बोतलें मिली : बताया जा रहा है कि सड़क पार करने के दौरान हादसा हुआ है। घटना को अंजाम देने वाले चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। गाड़ी से शराब की बोतलें मिली हैं। फोरेंसिक टीम से पूरे वाहन की जांच कराई जा रही है। घायल शख्स अभी बयान देने की हालत में नहीं है, पुलिस मरने वाले शख्स की पहचान करने में जुटी है। नई दिल्ली डीसीपी देवेश कुमार महला ने कहा, आज चाणक्यपुरी में सुबह करीब 6:30 बजे हमारी पेट्रोलिंग गाड़ी ने देखा कि एक एक्सीडेंट हुआ है। कार चालक का नाम आशीष है और वो गुडगांव से शकरपुर की ओर जा रहा था। गाड़ी उसके दोस्त की थी। फुटपाथ पर उसकी टक्कर 2 लोगों से हुई, जिसमें एक की मौत हो गई और दूसरा घायल है। कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है। हम पीड़ितों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। वो पत्र मुख्य सचिव को मिला ही नहीं ? ये तो सीधा कानूनी अपराध है। राखी बंधवाने के लिए बहन का इंतजार कर रहे थे, लेकिन सुबह ही उसकी मौत की खबर सुनकर विश्वास ही नहीं हुआ। दोनों मासूम भांजियों की मौत के बारे में सुना तो कलेजा निकलकर बाहर आ गया।

दिल्ली में ट्रिपल मर्डर- रक्षाबंधन के दिन पत्नी और दो बेटियों की हत्या में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर स्थित शहीद भगत सिंह कॉलोनी में रक्षाबंधन के दिन ही एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व दो मासूम बच्चियों की गला घोंटकर हत्या कर दी। मृतकों की शिनाख्त जयश्री (28), इशिका (7) और अंटू (5) के रूप में हुई है। दरअसल जयश्री रक्षाबंधन पर अपने मायके जाने की जिद कर रही थी। इसी बात पर आरोपी ने गुस्से में वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गया। हत्या की सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। बाद में शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया।

प्रदीप को शराब और जुए की लत थी: हत्याकांड के कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने आरोपी पति प्रदीप कश्यप (29) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने तीनों की हत्या की बात स्वीकार कर ली है। वही जयश्री के भाई चंद्रभान का आरोप है कि प्रदीप को शराब पीने के अलावा जुआ खेलने की लत है। इसको लेकर वह जयश्री से झगड़ा करता था। कई बार उसने उसे घर से निकाल भी दिया था। उसकी इसी आदत हत्या की सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है।

2017 में हुई थी जयश्री की प्रदीप से शादी : उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि मूलरूप से गांव औरंगाबाद, डिबाई, बुलंदशहर की रहने वाली जयश्री का विवाह वर्ष 2017 में करावल नगर की शहीद भगत सिंह कॉलोनी, गली नंबर-22 निवासी प्रदीप कश्यप से हुई थी। प्रदीप का आजादपुर मंडी में फलों की खरीद-फरोख्त का काम है। शनिवार सुबह करीब 7.15 बजे उनकी टीम को सूचना मिली कि जयश्री और उसकी दोनों बच्चियों की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। तीनों के शव कमरे में पड़े मिले। शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा था कि तीनों को गला घोंटकर मारा गया है। औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को मोर्चरी भेजा गया।

हत्या की असल वजह पता कर रही पुलिस : छानबीन हुई तो पता चला कि जयश्री का पति फरार है। उस पर ही हत्या का आरोप था। तीन टीमों को उसकी तलाश में भेजा गया। कुछ ही घंटों बाद आरोपी को मुकुंद विहार से दबोच लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। पुलिस आरोपी से हत्या की असली वजह पूछने का प्रयास कर रही है।

14 साल में अगस्त का सबसे ठंडा दिन, लगातार 10 घंटे बारिश, अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का

दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में रातभर हुई भारी बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को कम से कम 14 वर्षों में अगस्त का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो सामान्य से 7.8 डिग्री कम है। 2012 में अगस्त में 27.9 डिग्री अधिकतम तापमान रहा था।

जनजीवन बुरी तरह प्रभावित : दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक लगातार 10 घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। इससे सड़कों पर पानी भरने से घंटों जाम की स्थिति बनी रही। वहीं, दिल्ली के जैतपुर में दीवार गिरने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। भारी बारिश के चलते इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 300 से अधिक उड़ानें भी प्रभावित हुईं। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि सुबह सवा नौ बजे जैतपुर स्थित मोहन बाबा मंदिर के पास समाधि स्थल की दीवार गिरने से तीन पुरुषों, दो महिलाओं और दो छोटी बच्चियों की मौत हो गई। वहीं, सफदरजंग के ट्रामा सेंटर में भर्ती हसीबुल (27) की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि गांव के पूर्व प्रधान और उनकी पत्नी की समाधि मिट्टी भरकर बनवाई गई थी। इससे खाली प्लॉट में दीवार 10 फीट ऊंची हो गई थी। इसी दीवार से लगकर झुग्गियां बनी हुई हैं, जिनमें प. बंगाल और असम के लोग रहते हैं। बारिश से करीब 90 फीट लंबी दीवार का एक हिस्सा छह झुग्गियों पर गिर गया। इस मामले में लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह 8-30 बजे तक सफदरजंग में 78.7 मिमी और प्रगति मैदान में 100 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश से दिल्ली में उफनाई यमुना का पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वजीराबाद और हथनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने से तेजी से पानी बढ़ रहा है। मेट्रो की गोल्डन लाइन के निर्माणाधीन स्थल के पास सड़क धंसी वसंत कुंज स्थित मसूदपुर फ्लाईओवर के पास शनिवार को दिल्ली मेट्रो की गोल्डन लाइन के निर्माणाधीन स्थल पर सड़क का एक हिस्सा धंस गया। यह हादसा डीएमआरसी के निर्माणाधीन स्थल पर दीवार गिरने के बाद हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, घटना डी-6 इलाके के पास हुई। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि फोर्टिस अस्पताल से महिपालपुर जाने वाली सड़क को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। यात्रियों को अरुणा आसफ अली मार्ग से जाने की सलाह दी गई है। यह धंसाव फुटपाथ के पास लगभग 10 से 15 मीटर क्षेत्र में हुआ जो मेट्रो के खुदाई कार्य वाले हिस्से के पास था। डीएमआरसी ने स्पष्ट किया कि इस घटना में किसी व्यक्ति या सामग्री को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

मसूदपुर फ्लाईओवर के नीचे फुटपाथ के पास वाली सड़क पर एहतियातन बैरिकेड लगा दिया गया है। साथ ही बहाली का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है। डीएमआरसी ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर यातायात को सुचारू रूप से मोड़ने की व्यवस्था की है ताकि इलाके के निवासियों और राहगीरों को परेशानी न हो। जयश्री के भाई चंद्रभान यह बताते हुए फफक पड़ा। उन्होंने बताया कि गुरुवार को बहन ने कॉल कर बताया था कि वह रक्षाबंधन पर बुलंदशहर आएगी। इकलौती बहन की मौत के बाद से जयश्री के भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल था। बहन की मौत की सूचना मिलते ही पूरा परिवार बुलंदशहर से दिल्ली चला आया। छोटी-छोटी बात पर पीटता था चंद्रभान ने आरोप लगाया कि उसकी बहन को प्रदीप व उसके परिजनों ने परेशान किया हुआ था। छोटी-छोटी बातों पर उसको पीटा जाता। कई बार उसे मायके जाने के लिए भी मजबूर कर दिया गया। अभी दो माह पूर्व ही उसकी बहन वापस ससुराल आई थी। पति ने उसे निकाल लिया था। बच्चों का स्कूल होने की बात कर ससुराल वाले खुशामद कर उसे वापस दिल्ली ले आए थे। अब जयश्री के साथ यह सलूक किया।

क्यों की दो मासूमों की हत्या: जयश्री के भाई चंद्रभान ने बताया कि उनका परिवार बुलंदशहर के डिबाई स्थित औरंगाबाद में रहता है। परिवार में पिता अतर सिंह के अलावा मां रानी देवी, तीन भाई चंद्रभान, सूरज और छोटा भाई रूपेंद्र है। गांव में पिता खेती-बाड़ी करते हैं, चंद्रभान और सूरज सिलाई का काम करते हैं, वहीं रूपेंद्र अभी पढ़ाई कर रहा है।

गाजा पर कब्जे की इस्राइल की योजना के खिलाफ तुर्किये, कहा- एकजुट होकर काम करें मुस्लिम देश

अंकारा एजेंसी। गाजा पर कब्जा करने की इस्राइल की योजना के खिलाफ तुर्किये उतर आया है। तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने इस्राइल के फैसले कर निंदा करते हुए कहा कि सभी मुस्लिम देशों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। साथ ही इस्राइल की योजना का वैश्विक स्तर पर विरोध किया जाना चाहिए। मिस्र ने भी इस्राइल के फैसले की निंदा की। हालांकि इस्राइल ने गाजा में कब्जे की योजना से इनकार किया है। मिस्र में राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी और विदेश मंत्री बद्र अब्देलअत्ती से मुलाकात के बाद तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने कहा कि यह इस्राइल की नरसंहारकारी और विस्तारवादी नीतियों का एक नया दौर है। इसे रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर उपाय करने की जरूरत है। इसलिए हमने इस्लामिक सहयोग संगठन (ह्ढ्ढष्ट) को आपातकालीन बैठक के लिए बुलाया है। फिदान ने कहा कि इस्राइल की नीति का उद्देश्य फलस्तीनियों को भुखमरी के जरिये उनकी जमीन से बाहर निकालना है। साथ ही गाजा पर स्थायी रूप से हमला करना है। फिदान ने कहा कि मुस्लिम देशों के पास इस्राइल का समर्थन करने का कोई बहाना नहीं है। वहीं मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलअत्ती ने कहा कि यह भी बेहद खतरनाक है। यह न केवल फलस्तीनियों के लिए खतरा है बल्कि पड़ोसी देशों के लिए भी खतरनाक है। इस्राइल की योजनाएं अस्वीकार्य हैं। गाजा पर तुर्किये के साथ पूर्ण समन्वय है। उन्होंने ओआईसी मंत्रिस्तरीय समिति के इस्राइल की योजना की निंदा के बारे में जानकारी दी।

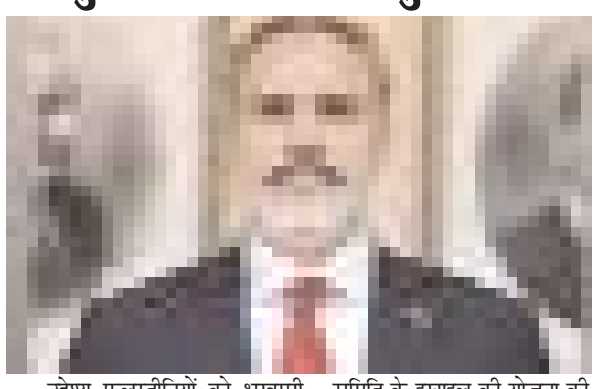

इस्लामिक सहयोग संगठन ने भी की निंदा : ओआईसी समिति ने कहा कि इस्राइल की योजना एक खतरनाक और अस्वीकार्य वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन और अवैध कब्जे को मजबूत करने का प्रयास है। यह शांति के किसी भी अवसर को नष्ट कर देगा। ओआईसी ने वैश्विक शक्तियों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा है कि वे अपनी कानूनी और मानवीय जिम्मेदारियों को समझें।

इस्राइल की सेना बड़े हमलों का जवाब देने के लिए हो रही तैयार, अचानक शुरू किया डॉन अभ्यास

तेल अवीव, एजेंसी। हमास और हिजबुल्ला को जवाब दे रही इस्राइल की सेना अब बड़े हमलों का जवाब देने के लिए तैयार हो रही है। इस्राइल रक्षा बलों ने रविवार को अपने मुख्यालय और मुख्य कमांड केंद्रों की तैयारी का परीक्षण करने के लिए अचानक डॉन अभ्यास शुरू किया। इस अभियान की कमान चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल इयाल जमीर कर कर रहे है। इस्राइली मीडिया के मुताबिक अभ्यास का उद्देश्य बड़े पैमाने पर हमलों का त्वरित और प्रभावी ढंग से जवाब देने की आईडीएफ की क्षमता का मूल्यांकन करना है। सेना ने बताया कि इस अभ्यास में सभी संभावित युद्ध के मैदानों में आश्चर्यजनक परिदृश्य और बहु-दृश्य कार्यक्रम शामिल हैं। आईडीएफ नियंत्रक ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) ओफर सारिग्म और उनकी टीम इस अभ्यास की देखरेख कर रही है। यह टीम गुणवत्ता और क्षमता दोनों के संदर्भ में आईडीएफ की प्रतिक्रिया समय का निरीक्षण और मूल्यांकन कर रही है। सेना ने कहा कि आईडीएफ अपनी क्षमता और तत्परता में सुधार के लिए सभी कमांड, शाखाओं और इकाइयों में ऑडिट गतिविधियों की एक श्रृंखला जारी रखेगा और शुरू करेगा। यह अभ्यास कई मोर्चों पर आईडीएफ के चल रहे अभियानों के बीच हो रहा है। सबसे हालिया हमला शनिवार रात हुआ, जब आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान के अयनाटा इलाके में एक हिजबुल्ला लड़ाके को निशाना बनाया। सेना ने कहा कि वह व्यक्ति इस्राइल की सेना के बारे में खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहा था। इससे पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ ने गाजा में अभियान को आगे बढ़ाने के विकल्प प्रस्तुत किए। सेना ने एक्स पर लिखा कि बैठक तीन घंटे से ज्यादा समय तक चली और इसमें आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ ने कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों पर एक प्रस्तुति भी दी। पोस्ट में लिखा था कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तीन घंटे तक सुरक्षा चर्चा की। जिसमें आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ ने गाजा में अभियान को आगे बढ़ाने के विकल्प प्रस्तुत किए।

थाईलैंड और कंबोडिया युद्धविराम के बीच लैंड माइन में विस्फोट, तीन थाई सैनिक घायल

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया में जारी संघर्ष विराम के बीच सीमा के पास लैंड माइन में विस्फोट हो गया। इसके चलते सीमा पर गश्त कर रहे तीन थाई सैनिक घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब दोनों देशों के बीच पिछले दिनों पांच दिन तक संघर्ष के बाद युद्धविराम हुआ है। रॉयल थाई सेना ने कहा कि शनिवार सुबह थाईलैंड के सिसाकेट और कंबोडिया के प्रेह विहियर प्रांतों के बीच एक इलाके में लैंड माइन पर कदम रखने से एक सैनिक का पैर कट गया। जबकि दो अन्य घायल हो गए। एक सैनिक के पैर में गंभीर चोट आई है, दूसरे की पीठ और हाथ में चोट आई है, और तीसरे के कान पर अत्यधिक दबाव पड़ा है। वहीं कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे विस्फोट के संबंध में कंबोडियाई अग्रिम पंक्ति के बलों से अभी तक जानकारी नहीं मिली है। यह तीसरी घटना है जब सीमा पर गश्त के दौरान थाई सैनिक लैंड माइन के विस्फोट से घायल हुए हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह घटना उसके क्षेत्र में हाल ही में लैंड माइन से मुक्त किए गए एक क्षेत्र में हुई। थाईलैंड ने घोषणा की कि वह लैंड माइन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि का उल्लंघन करने और थाई संप्रभुता का उल्लंघन करने के लिए कंबोडिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएगा। अलजजीरा के हवाले से एएनआई ने बताया कि थाईलैंड और कंबोडिया दोनों ने बारूदी सुरंगों के खिलाफ ओटावा संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।

24 जुलाई को दोनों देशों के बीच शुरू हुआ था सीमा संघर्ष

कंबोडिया और थाईलैंड के बीच पांच दिनों तक चला भीषण सीमा संघर्ष 24 जुलाई को शुरू हुआ था। मलेशिया ने 28 जुलाई को मध्यस्थता करके युद्धविराम कराया था। रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा तब शुरू हुई, जब कंबोडियाई सैनिकों ने कथित तौर पर थाईलैंड के नागरिक इलाकों में तोपखाने और रॉकेट दागे, जिसके जवाब में थाईलैंड ने हवाई हमले किए। हालांकि अब तक युद्धविराम कायम है, दोनों देशों ने एक-दूसरे पर युद्धविराम की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

28 जुलाई को संघर्षविराम तब लागू हुआ, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों को आर्थिक दबाव में लेकर चेतावनी दी कि अगर संघर्ष बंद नहीं हुआ, तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करेगा। संघर्षविराम के बाद एक अगस्त को अमेरिका ने इन देशों से आयात होने वाले सामान पर टैरिफ 36 फीसदी से घटाकर 19त्न कर दिया। कुआलालंपुर में रक्षा अधिकारियों की हालिया बैठक गुरुवार को युद्धविराम बढ़ाने पर सहमति के साथ संपन्न हुई। दोनों पक्ष आगे की शत्रुता को रोकने के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के पर्यवेक्षकों को विवादित सीमा क्षेत्रों का निरीक्षण करने की अनुमति देने पर भी सहमत हुए।

जनपद पंचायत में उन्नति सूचकांक 1.0 कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 10 ग्राम पंचायतों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सभागार सीधी में 8 अगस्त को पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर जनपद पंचायत की 10 उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों को पंचायत उन्नत सूचकांक में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। जनपद पंचायत सीधी से पनवार चौहानन, पटेहरा खुर्द, भेलकी खुर्द, बरिगवां, गांधीग्राम, जमोड़ी सेंगरान, देवगढ़, पनवार बघेलान, जमोड़ी कला एवं ऐंठी 10 ग्राम पंचायत चयनित थीं। जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका के द्वारा पंचायतों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 के तहत ग्राम पंचायतों के मूल्यांकन और उन्हें पुरस्कृत करने का यह प्रयास ग्रामीण विकास को नई दिशा देने वाला साबित हो रहा है। इस कार्यशाला ने यह दर्शाया कि ग्राम पंचायतें न केवल प्रशासनिक रूप से मजबूत हो रही हैं, बल्कि विकास के नए मानक भी स्थापित कर रही हैं।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार,जनपद सदस्य नीतू संदीप सिंह चौहान, वंशराखन सिंह,उमाशंकर यादव, विनोद सिंह परिहार एवं जनपद पंचायत से मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका, जनपद पंचायत के खण्ड पंचायत अधिकारी उमेश सोनी मनरेगा शाखा से एपीओ दिनेश गौतम, प्रधानमंत्री आवास शाखा से राजेंद्र मिश्रा एवं अनिल सिंह स्वक्ष भारत मिशन से रमाकांत यादव, अन्य समस्त जनपद स्तरीय लाइन डिपार्टमेंट के कर्मचारी एवं राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अजय कुमार गुप्ता,जनपद पंचायत सीधी से ब्लॉक समन्वयक विवेक मिश्रा,कंप्यूटर ऑपरेटर दिवाकर सिंह जनपद पंचायत सीधी के समस्त कर्मचारी, समस्त पीसीओ, एडीओ एवं कंप्यूटर ऑपरेटर एवं सभी चयनित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव, ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष के द्वारा प्रतिभागियों को आभार व्यक्त किया गया एवं आगे अच्छा कार्य करने हेतु पंचायत उन्नत सूचकांक के आधार पर आगामी वित्त वर्ष में ए एवं ए प्लस कैटिगरी में आने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। कार्यशाला के अंत में सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हर घर तिरंगा अभियान गतिविधि के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

लकड़बग्घा को देख बाइक से गिरा युवक, हाथ-पैर में फ्रैक्चर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दरिया गांव में रविवार दोपहर करीब 3 बजे बीच सड़क पर अचानक लकड़बग्घा आ गया। घबराहट में बाइक सवार युवक ने ब्रेक मारा और असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़ा।

हादसे में युवक के एक हाथ और एक पैर में फ्रैक्चर हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस बुलाकर घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां उसकी हालत में इलाज जारी है।

घायल युवक की पहचान संदीप कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह ग्राम नचनी महुआ का निवासी है। जिला अस्पताल में पदस्थ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि संदीप को कई जगह चोटें आई हैं। फिलहाल, वह डॉक्टर की निगरानी में है।

घायल संदीप ने बताया कि उनके गांव और आसपास के इलाकों में अकसर जंगली जानवर घुस आते हैं। खासकर लकड़बग्घे और सियार आते रहते हैं। कई बार ये जानवर घरेलू पशुओं पर हमला करते हैं। इससे इंसानों पर भी खतरा बना रहता है।

घटना के समय संदीप बाइक से दरिया गांव की ओर जा रहे थे, तभी सामने से लकड़बग्घा आ गया। अचानक सामने जानवर को देखकर उन्होंने जोर से ब्रेक लगाया। इससे वे सड़क पर गिर पड़े। संदीप ने बताया कि अगर पास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके पर नहीं आते तो लकड़बग्घा उन पर हमला कर सकता था। घटना के बाद ग्रामीणों ने लाठी-डंडे से जानवर को भगाया। फिर घायल को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा।

जंगल में लकड़ी बीनने गए बुजुर्ग का भालू ने अंगूठा और उंगली चबाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के माडा थाना क्षेत्र के सुलियरी गांव में लकड़ियां बीनने गए एक बुजुर्ग पर भालू ने हमला कर दिया। इस हमले में रामपाल रजक नामक वृद्ध बुरी तरह घायल हो गए। भालू ने उनके हाथ का एक अंगूठा और एक उंगली चबा लिया है। ग्रामीणों के शोर मचाने पर भालू जंगल में भाग गया।

घायल बुजुर्ग रामपाल को ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए बैढ़न के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। रामपाल ने बताया कि वह दोपहर करीब 3 बजे लकड़ियां लेने जंगल गए थे, तभी अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर ग्रामीण शोर मचाकर भालू को नहीं भगाते, तो उनकी जान बचाना मुश्किल था।

वन विभाग ने दी सावधानी बरतने की सलाह: इस घटना पर मुख्य वन परिक्षेत्र अधिकारी अखिल बंसल ने बताया कि सिंगरौली के ज्यादातर जंगली इलाकों में भालू बड़ी संख्या में मौजूद हैं और अकसर खाने की तलाश में रिहाइशी इलाकों के पास आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि घायल वृद्ध को वन विभाग की ओर से नियमानुसार क्षतिपूर्ति दी जाएगी। उन्होंने जंगल के पास रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की भी सलाह दी।

पुलिस ने ग्रामीणों को दी अकेले जंगल नहीं जाने की सलाह: घटना की सूचना मिलने पर माडा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस लगातार ग्रामीणों को अकेले जंगल में न जाने की सलाह देती है। उनका कहना है कि अगर कई लोग साथ होते हैं तो भालू हमला नहीं करते, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण लापरवाही करते हैं। मिश्रा ने बताया कि अगस्त महीने में यह तीसरी घटना है जब भालू ने किसी ग्रामीण पर हमला किया है।

जान जोखिम में डाल आदिवासी समाज ने निकाली रैली

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को दोपहर वाहन रैली निकाली गई। लगभग 40 किलोमीटर लंबी इस रैली में सुरक्षा नियमों का खुलेआम उल्लंघन हुआ।

युवा पुलिस के सामने तलवार और फरसे लहराते रहे। रैली में शामिल कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा मानकों को पूरी तरह दरकिनार किया। कई लोग हाथों में तलवार और फरसे लेकर चल रहे थे। ट्रैक्टर के बोनट पर बैठकर यात्रा करते लोग भी दिखे। डीजे वाहनों पर दर्जनों युवक चढ़कर नाच रहे थे। बाइक सवारों ने न केवल बिना हेलमेट यात्रा की, बल्कि तेज गति से रैली के साथ दौड़ते रहे। रैली सीधी शहर के सम्राट चौराहा, गांधी चौराहा और अंबेडकर चौराहा समेत कई प्रमुख मार्गों से होते हुए टिकरी पहुंची। पूरे मार्ग पर जय जोहार और जय आदिवासी जय भीम के नारे गूंजते रहे। सैकड़ों महिलाएं और पुरुष उत्साह के साथ रैली में शामिल थे। टिकरी में इस अवसर पर एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतने बड़े पैमाने पर नियमों के उल्लंघन के बावजूद यातायात पुलिस और प्रशासनिक टीम की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बच्चों ने गाय बचाओ-गांव बचाओ रैली निकाली

गोबर ना होय मोहर आय, गाय ना होय धरोहर आय नारे लगाए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के हनुमानगढ़ गांव की गलियों में रविवार को बाल टोली मोगली पलटन ने गाय हय ता गांव हय के संदेश के साथ कछुआ चाल रैली निकाली। रैली स्व. चन्द्रप्रताप तिवारी समाधि स्थल से शुरू हुई। मुख्य सड़क होते हुए यह गांव के दूसरे छोर तक पहुंची। पूरे मार्ग पर बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था।

बच्चों ने गाय बचाओ और गांव बचाओ के नारे लगाए। माटी कहय नारिआय के, गोबर नाबा गाय के, गोबर ना होय मोहर आय, गाय ना होय धरोहर आय, सेवा करबे गाय के, रोजगार पउबे धाय के जैसे नारे गूंजते रहे।

गाय की चिट्ठी लोगों में बांटी गई: ग्रामवासी अपने घरों से बाहर निकलकर तालियां बजाते और मुस्कुराते हुए बच्चों का हौसला बढ़ाते रहे। रैली के दौरान गाय की चिट्ठी भी लोगों में बांटी गई। इसमें गाय के नजरिए से गांव और किसानों की स्थिति पर संदेश लिखा गया था।

यह रैली सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं थी। इसका उद्देश्य एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश देना था। आवारा पशु, पलायन, मिलावटी दूध, जहरीली सब्जियों और बेरोजगारी जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब गाय को ग्रामीण विकास के केंद्र में रखा जाए।

1992 के उदारवाद के बाद गांव और किसान हाशिये पर चले गए। दूध का उत्पादन घटा। शहरों में मांग बढ़ती गई और मिलावटी उत्पादों का काला बाजार फैलता गया। मोगली पलटन ने स्पष्ट किया कि गाय मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे। गांव मजबूत होंगे तो भारत की जड़ें मजबूत होंगी।

ऋषिकेश फाउंडेशन के अध्यक्ष उमेश तिवारी ने कहा, अगर भारत की आत्मा गांव में बसती है, तो गांव की आत्मा गाय में बसती है। हम इसी सोच को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

बहन बेटियां समाज की अमूल्य धरोहर है: सिद्धार्थ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर विश्राम गृह त्योंथर में सैंकड़ों बहनों ने विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि बहन बेटियां समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका सम्मान, सुरक्षा व शिक्षा सुनिश्चित करना हर परिवार और समाज का कर्तव्य है। यह पर्व भाई बहन के अटूट रिश्ता, स्नेह व सम्मान का प्रतीक है।आज आनंद का दिन है, बहनों ने स्नेह के साथ मेरी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा है, बहनों का स्नेह आशीर्वाद जीवन मुझे सम्बल प्रदान करेगा,बहनों का अशीर्वाद कभी खाली नहीं जाता है, बहनों के आशीर्वाद से हम त्योंथर में विकास की नई गाथा लिख रहे है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में निरंतर नारी सशक्ति करण के कार्य किये जा रहे है।लाड़ली बहना योजना में आर्थिक सहायता राशि 1250 रुपए के अतिरिक्त रक्षाबंधन के पावन अवसर पर 250 रुपए राखी का अतिरिक्त उपहार भी आप लाडली बहनों के लाड़ले भाई मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदान किया गया है,भाईदूज से 1500 रुपए प्रतिमाह तथा धीरे-धीरे से 3000 हजार रुपए तक प्रतिमाह किया जाएगा।बहनों के इसी प्रेम से माननीय मुख्यमंत्री जी को यह प्रेरणा मिलती है कि हम बहनों के हित में नई

-नई योजनाओं को लागू करें। इतिहास गवाह है कि बलिदान की जितनी भावना बहनों में होती है उतनी भावना पुरुषों में नहीं होती है। विधायक ने सभी दीदियों को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन का पवित्र त्योहार भाई और बहनों की आपसी रिश्तों और प्रतीक का त्योहार है। रक्षाबंधन त्यौहार के पर्व पर भाई बहनों की रक्षा का संकल्प लेती है। हमारी सरकार यानी डॉक्टर मोहन यादव की सरकार लोगों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।त्योंथर विधानसभा के जनता का आशीर्वाद हमेशा बना रहे और हम उनके विश्वास पर खरा उतरेंगे रक्षाबंधन का त्योहार बहुत ख़ास था। आज त्योंथर विधानसभा के लाडली बहनों ने अपने इस भाई की कलाई पर राखी का पवित्र धागा बाँध अपना विशेष स्नेह दिया। इस प्रेम और विश्वास का मैं आभारी हूँ।

तालाब में डूबने से युवक की मौत, आधे घंटे बाद मिला शव; नहाने के दौरान हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली में रविवार दोपहर एक युवक तालाब में डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक नगर परिषद मझौली के वार्ड 8 निवासी 25 साल का सुनील द्विवेदी है।

मझौली में घटना दोपहर लगभग 1 बजे की है। सुनील ज्वाला प्रसाद द्विवेदी का बेटा है। वह आज अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित सरग तलैया तालाब में नहाने गया था। पानी की अधिक गहराई के कारण वह अचानक डूब गया और फिर बाहर नहीं आ पाया।

गहराई और बहाव के कारण बचाने तालाब में कोई नहीं गया: तालाब के किनारे मौजूद आसपास के लोग इस हादसे के गवाह बने। उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। लेकिन पानी की गहराई और बहाव के कारण

कोई भी तालाब में उतरने का साहस नहीं जुटा सका। इसके बाद घटना की सूचना मझौली थाना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने युवक का शव बाहर निकाला: सूचना मिलते ही मझौली थाना प्रभारी उपनिरीक्षक विशाल शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एक पुलिस जवान और एक ग्रामीण की मदद से लगभग आधे घंटे तक तलाशी अभियान चलाया गया। इसके बाद युवक का शव तालाब से बाहर निकाला गया।

जब तक युवक को पानी से बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में इसे आकस्मिक मौत माना जा रहा है।

पीएम श्री नवोदय विद्यालय चुरहट में योग के विशेष सत्र का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट जिला सीधी (मध्य प्रदेश) के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी के निर्देशन में विद्यालय में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास बाबत अध्ययन अध्यापन में पीएम श्री योजना के अंतर्गत स्किल टीचर्स ट्रेनर, कोच, इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक डांस, सेल्फ डिफेंस बालिकाओं और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में विशेष योग्यता रखने वाले कोच और शिक्षकों को बुला करके रिमेडियल टाइम टाइम टेबल में स्किल एजुकेशन के साथ-साथ डांस और तबले की कोचिंग के लिए मुर्धन विद्वान ट्रेनर को इंटरव्यू के माध्यम से सिलेक्ट कर फाइनल से टॉप सिलेक्टेड कंडीडेट से ट्रेनिंग दिलाई जा रही है । दिनांक 10 अगस्त रविवार अवकाश के दिन भी स्पेशल टाइम टेबल के अंतर्गत विद्यार्थियों को योगा का विशेष सत्र का प्रशिक्षण श्री प्रदीप कुमार मिश्रा योगगुरु एमव एव योगा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (मध्य प्रदेश) एवं टी जी टी फिजिकल एजुकेशन सुचिता सिंह द्वारा दिया गया है । अभिभावकों द्वारा पूरा सहयोग रहा रक्षाबंधन पर घर लेजाने छुट्टी बाबत, छठी क्लास के न्यू एडमिशन के कुछ विद्यार्थियों को छोड़कर स्टडी के महत्व को ध्यान में रखते हुए बहुत कम विद्यार्थियों को अवकाश दिया गया । 11 अगस्त 2025 से 13 अगस्त 2025 तक यूनिट टेस्ट एवं फॉर्मेटिव एसेसमेंट 2 रखा गया है।

जनपद मझौली में पंचायत उन्नत सूचकांक की कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के जनपद मझौली सभागार में 7 अगस्त 2025 को पंचायत उन्नत सूचकांक 1.0 की कार्यशाला किया गया जिसमें मझौली जनपद से उच्च श्रेणी स्कोर में आए 10 ग्राम पंचायत को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यशाला में पंचायत उन्नति सूचकांक के मास्टर ट्रेनर जिला कार्यक्रम प्रबंधक अजय कुमार गुप्ता एवं जिले के एडिशनल सीईओ धनंजय मिश्रा के द्वारा पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 के बारे में ग्राम पंचायत के सचिव सरपंच को अवगत कराने के साथ ही पंचायत उन्नत सूचकांक 2.0 में किए जाने वाले एंट्री की जानकारी भी दी गई। सभी टॉप 10 ग्राम पंचायत को

पुरस्कार प्राप्ति हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में जनपद सीईओ, जिले से मास्टर ट्रेनर जिला कार्यक्रम प्रबंधक अजय कुमार गुप्ता, विकासखंड से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के विकासखंड नितिन तिवारी एवं जनपद के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिहावल में पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 की कार्यशाला का आयोजन

जिले के जनपद पंचायत सिहावल के सभागार कक्ष में 08 अगस्त दिन शुक्रवार को पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 के कार्यशाला का आयोजन किया गया। पंचायत उन्नत सूचकांक के लिए जिले से आए मास्टर ट्रेनर व जिला समन्वयक आरजीएसए कमलेश प्रसाद द्विवेदी के द्वारा पीएआई 1.0 के विमोचन एवं प्रचार प्रसार करते हुए पंचायत उन्नत सूचकांक के अद्यतन पंचायत उन्नत सूचकांक वेबसाइट के बारे में बताया गया एवं अन्य जानकारियां ग्राम पंचायत सचिव सरपंच जिला अधिकारियों जनपद अधिकारियों एवं जिला पंचायत के अधिकारी/कर्मचारी के समक्ष प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला में अच्छा कार्य करने हेतु पंचायत उन्नत सूचकांक के आधार पर वित्त वर्ष 23- 24 में ए एवं ए प्लस कैटिगरी में आने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। मुख्य रूप से यह कार्यक्रम जिले के आरजीएसए, डी पी एम अजय गुप्ता के नेतृत्व में किया जा रहा है।

कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिहावल रश्मि पांडेय, बीपीओ कामता तिवारी, एपीओ नरेगा अजय द्विवेदी, बीसी अरुण पाठक, बीसी आरजीएसए सोमिल तिवारी, अमर द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान स्वच्छता के साथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन जिला सीधी के तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम एवं हर घर तिरंगा अभियान स्वच्छता के साथ कार्यक्रम के अंतर्गत गोपाल दास मंदिर प्रांगण में मातृ शक्तियों की उपस्थिति में जागरूकता रैली एवं पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अध्यक्ष एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंशा अनुसार समाज के प्रत्येक व्यक्ति एवं मातृ शक्तियों के बीच में इस कार्यक्रम को पहुंचाकर जन-जन का कार्यक्रम बनाने हेतु जन अभियान निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में आम आवला बेल अमरूद कटहल सहजन के पौधे का रोपण किया गया। कार्यक्रम में रश्मि दिव्यांग सेवा समिति तथा आयुष्मान कला समिति से क्रमशः विनय तिवारी एवं अजीता द्विवेदी उपस्थित रहे। परामर्शदाता अजीत वर्मा एवं भारी संख्या में मातृ शक्तियों उपस्थित रहे।

प्रवर्तन निदेशालय की कार्यशैली पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, कहा- 'गुंडे की तरह काम नहीं कर सकता'

संपादकीय

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्यशैली और उसकी भूमिका पर आए दिन सवाल उठते रहे हैं। राजनीतिक दलों का आरोप है कि ईडी प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई करती है। वहीं उच्च न्यायालयों से लेकर शीर्ष अदालत ने भी निदेशालय को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा किया है। यह अफसोसनाक है कि ईडी की जांच में आरोपी बनाए गए लोग दोषी सिद्ध न होने पर भी महीनों विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद रहते हैं।

ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि धनशोधन रोकथाम कानून का दुरुपयोग कैसे और क्यों हो रहा है और किसके इशारे पर हो रहा है। इस कानून के तहत दोषसिद्धि दर पर भी सवालिया निशान लग चुके हैं। गुरुवार को शीर्ष न्यायालय ने भी इस बात पर चिंता जताई है कि धनशोधन मामलों में सजा की दर बहुत कम है। अदालत ने ईडी को सख्त लहजे में चेताया है कि वह किसी गुंडे की तरह काम नहीं कर सकती, उसे कानून के दायरे में रह कर काम करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार ईडी की कार्यशैली पर सवाल नहीं उठाया है

अदालत की टिप्पणी ईडी की जांच प्रक्रिया और कार्यशैली पर एक बड़ा सवाल है। अगर इस संस्था की छवि इस कदर नकारात्मक बन रही है, तो इस पर उसे सोचने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि शीर्ष न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज पर कोई पहली बार सवाल उठाया है। पिछले महीने भी अदालत ने कहा था कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। यह गंभीर स्थिति है कि न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद आरोपी जेल से बाहर आ जाते हैं। इस दौरान प्रवर्तन निदेशालय न तो अपनी जांच पूरी कर पाता है और न ही उनके खिलाफ आरोप सिद्ध कर पाता है।

इस पर विचार किया जाना चाहिए कि अगर ईडी के पास किसी आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मजबूत आधार होता है तो दोषसिद्धि की दर दस फीसद से भी कम क्यों है। इस पर चिंता जताते हुए शीर्ष अदालत ने उचित सवाल किया है कि अगर आरोपी बरी हो जाते हैं, तो इसका भुगतान कौन करेगा। यह बेकसूर नागरिकों की स्वतंत्रता का भी सवाल है। ईडी की छवि पर अगर प्रश्न उठ रहे हैं, तो इसका निवारण अब उसे ही करना होगा। इस संदर्भ में ईडी को शीर्ष अदालत की इस नसीहत पर गौर करने की जरूरत है कि उसे कानून की सीमा में काम करना चाहिए।

तो शी जिन को झूला झुलाएंगे, तड़ी पार पुतिन के लिए लाल कालीन बिछाएंगे।

हरिशंकर व्यास

खबर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन जा रहे है। 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 के बीच तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शायद भाग ले। सन् 2020 में गालवान घाटी में चीन की दादागिरी के बाद उनकी यह पहली चीन यात्रा होगी। और क्या गजब है जो भारत पर ट्रंप के टैरिफ की घोषणा के बाद भारत में चीन के राजदूत झू फेइहोंग ने ट्रंप को ÷धौंस जमाने वाला (बुली)÷ कहा और बिना किसी का नाम लिए एक्स पर लिखा-÷अगर आप एक बुली को एक इंच देंगे, तो वह एक मील ले लेगा।÷ यह भी बताया कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी और ब्राज़ील के राष्ट्रपति के मुख्य सलाहकार के बीच बातचीत हुई है।

उधर अजित डोवाल रूस गए और फिर खबर थी कि राष्ट्रपति पुतिन साल के आखिर में भारत यात्रा पर आएंगें। ध्यान रहे ट्रंप से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शी जिन पिंग के साथ ही झूला झूला था और राष्ट्रपति पुतिन के वे वैसे ही सखा थे जैसे बाद में डोनाल्ड ट्रंप के हुए।

अब ट्रंप बिगडे है तो प्रधानमंत्री को वे पुतिन और शी जिन पिंग याद आए है जो पूरी दुनिया के लिए फिलहाल नंबर एक युद्ध अपराधी तथा विश्व की आर्थिकी को खाने वाला ड्रेगन है। सबसे गंभीर बात कि घंटे-आधे घंटे के जिस 'आपरेशन सिंदूर' में भारत के लडाकू विमानों को नुकसान हुआ वह पाकिस्तानी सेना के साथ चीन की सेना के प्रत्यक्ष-परोक्ष साझे से था। तब रूस ने भी भारत के लिए एक शब्द नहीं बोला था। लेकिन इन दो नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी फिर से झूला झूल कर ट्रंप को अपना रूतबा बताएंगे।

सवाल है विश्व राजनीति के तड़ीपार पुतिन की दिल्ली में मेजबानी और शी जिन पिंग की मेहमानवाजी भोगने से क्या भारत की शान बढ़ेगी? क्या चीन-रूस अब भारत से वह निर्यात खरीद लेंगे जो अमेरिका खरीदता है? इससे भी अंहम सवाल है कि क्या मोदी सरकार को गलवान से आपरेशन सिंदूर तक के अनुभवों में इतना भी समझ नहीं आया कि चीन का हर व्यवहार भारत से दुश्मनी का है। जबकि वह पाकिस्तान का सरपरस्त ही नहीं है बल्कि उसके भारत विरोधी सैन्य ऑपरेशन में साझेदार भी था। उधर चीन अब रूस का भी वैसे ही सरपरस्त है जैसे पाकिस्तान का है। दक्षिण एसिया, पूरे एसिया का बुली (गुंडा-दादा) चीन है या अमेरिका? भारत को पहले धंधे, टैरिफ की चिंता करनी चाहिए या सीमा की सुरक्षा, सामरिक, भूराजनैतिक हितों की? क्या प्रधानमंत्री दफ्तर, विदेश मंत्रालय, अजित डोवाल के दफ्तर में इतनी भी मेमोरी नहीं है जो ध्यान रहे कि इसी मई के महिने में ही पाकिस्तान ने चीनी लडाकू विमान, चीन की मिसाइल, सेटेलाइट इमेज के बेकअप से भारत की सेना को जवाब दिया। चीन के सैन्य अधिकारी, मंत्री इस्लामाबाद में बैठे रहे। और रूस याकि पुतिन ने उस दौरान एक भी ऐसा संकेत नहीं दिया जिससे भारत की हिम्मत बंधे। कोई न माने मेरा मानना है कि रूस और पाकिस्तान दोनों अब चीन के नेता शी जिन पिंग के वफादार पठ्ठे है। चीन ने ही जनरल मुनीर को ट्रंप के यहां कूटनीति का रोडमैप दिया हुआ होगा। फिलहाल पाकिस्तान, कतर, चीन सभी चाहते है कि हाल के दशकों में उभरते भारत, भीड की बाजार ताकत वाले भारत से विश्व राजनीति में भारत की बनी पहचान जैसे भी हो पंचर हो। यदि ट्रंप ने भारत को रूस से नत्थी कर, उस जैसी डेड इकॉनोमी वाला देश करार दिया तो वह पाकिस्तान, चीन के लिए क्या राजनैतिक-सामरिक-आर्थिक तौर पर फायदेमंद नहीं होगा?

विश्व शेर दिवस : 'जंगल के राजा' का भविष्य और हमारा कर्तव्य

डॉ. निवेदिता शर्मा

विश्व शेर दिवस, जो प्रतिवर्ष 10 अगस्त को मनाया जाता है, केवल वन्यजीव प्रेमियों का एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर स्मरण है कि धरती पर जीवन की विविधता को बनाए रखने में प्रत्येक प्रजाति की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। जब हम शेर की बात करते हैं, तो हमारे मानसपटल पर सबसे पहले उभरती है उसकी शान, उसका गौरव और उसकी अदम्य शक्ति, जिसे सदियों से 'जंगल का राजा' कहा जाता रहा है। किंतु इस उपाधि के पीछे का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक हो सकता है, जब हम यह सुनिश्चित करें कि यह राजा अपने प्राकृतिक क्षेत्र में सुरक्षित और समृद्ध बना रहे। भारत के संदर्भ में यह चर्चा और भी प्रासंगिक हो जाती है, क्योंकि यहां एशियाई शेर की एकमात्र आबादी गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में पाई जाती है, जो पूरी दुनिया में अद्वितीय है।

एशियाई शेर एक समय पूरे एशिया, मध्य-पूर्व और भूमध्यसागरीय क्षेत्र में फैले हुए थे। किंतु मानव विस्तार, शिकार और आवासीय क्षरण ने इनके विस्तार को लगातार सीमित किया, और 20वीं सदी की शुरुआत तक यह प्रजाति केवल काठियावाड़ के गिर जंगलों तक सिमट गई। किंतु आज उनकी संख्या बढ़ने के समाचार उत्साहवर्धक कहे जा सकते हैं, वर्ष 2020 में 674 की तुलना में मई 2025 में इनकी अनुमानित संख्या 891 तक पहुंच गई है, जो लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि है। यह उपलब्धि निस्संदेह गुजरात सरकार, वन विभाग, 'प्रोजेक्ट लायन' और स्थानीय समुदायों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। लेकिन यह भी सच है कि किसी भी प्रजाति के संरक्षण की यात्रा में केवल संख्या वृद्धि ही सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं हो सकता, उनके लिए स्थायी और सुरक्षित आवास, मानव-वन्यजीव संघर्ष का समाधान और जीन-पूल की विविधता का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

गुजरात में शेर केवल गिर राष्ट्रीय उद्यान तक सीमित नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में उनका प्राकृतिक विस्तार बढ़कर सौराष्ट्र के 11 जिलों में लगभग 35,000 वर्ग किलोमीटर में फैल चुका है। यह क्षेत्रीय प्रसार दोहरा संदेश देता है कि गिर का पारंपरिक आवास अब शेरों की बढ़ती संख्या को समेटने में सक्षम नहीं रहा। वहीं, आज यह भी बता रहा है कि शेर प्राकृतिक रूप से नए इलाकों को अपनाने में सक्षम है, बशर्ते वहां पर्याप्त शिकार और पानी की उपलब्धता हो। इसी संदर्भ में बरदा वन्यजीव अभयारण्य का महत्व बढ़ जाता है, जो पोरबंदर और देवभूमि द्वारका जिलों में 192.31 वर्ग किलोमीटर में फैला है और अब एशियाई शेरों का दूसरा घर बनकर उभर रहा है। 2023 में शेरों के प्राकृतिक प्रवास के बाद यहां की संख्या 17 तक पहुंच गई, जिनमें 6 वयस्क और 11 शावक शामिल हैं। यह विकास केवल एक पारिस्थितिक घटना नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि यदि हम उपयुक्त परिस्थितियां उपलब्ध कराएं, तो शेर स्वयं अपने अस्तित्व के लिए नए रास्ते तलाश सकते हैं।

वास्तव में बरदा का महत्व केवल शेर संरक्षण तक सीमित नहीं है। यह क्षेत्र एक समृद्ध जैव-विविधता हॉटस्पॉट है, जहां विभिन्न वनस्पतियां, पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका द्वारकाङ्कपोरबंदरङ्कसोमनाथ पर्यटन सर्किट के निकट होना, इसे न केवल संरक्षण के दृष्टिकोण से बल्कि पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी एक अवसर बनाता है। लगभग 248 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित सफारी पार्क इसी दिशा में एक कदम है, जिससे न केवल वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि नियंत्रित और जिम्मेदार पर्यटन से स्थानीय समुदायों को भी आर्थिक लाभ होगा। राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटन और लगभग 180 करोड़ रुपये के संरक्षण कार्यों की शुरुआत इस बात का संकेत है कि नीति-निर्माण अब संरक्षण को विकास के साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

फिर भी, शेर संरक्षण की राह चुनौतियों से मुक्त नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती है मानव-वन्यजीव संघर्ष। जैसे-जैसे शेरों का विस्तार कृषि क्षेत्रों और मानव बस्तियों के निकट हो रहा है, वैसे-वैसे मवेशियों के शिकार, लोगों की सुरक्षा और फसल क्षति जैसे मुद्दे बढ़ रहे हैं। इसका समाधान केवल क्षतिपूर्ति योजनाओं या वन विभाग के त्वरित हस्तक्षेप से संभव नहीं है; इसके लिए दीर्घकालिक सामुदायिक सहभागिता और सह-अस्तित्व की रणनीतियां जरूरी हैं। ग्रामीण समुदायों को यह महसूस कराना कि शेर केवल खतरा नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान का हिस्सा हैं, एक कठिन लेकिन आवश्यक कार्य है। गुजरात में कई गांवों ने इसे अपनी परंपरा और गर्व के रूप में अपनाया है, लेकिन यह भावनात्मक जुड़ाव सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकसित करना होगा।

एक और गंभीर मुद्दा है जीन-पूल की सीमित विविधता। चूंकि पूरी एशियाई शेर आबादी एक ही भौगोलिक क्षेत्र में केंद्रित है, इसलिए किसी भी महामारी, प्राकृतिक आपदा या बड़े पैमाने पर आवासीय क्षति से पूरी प्रजाति को खतरा हो सकता है। विशेषज्ञ लंबे समय से सुझाव दे रहे हैं कि शेरों की एक दूसरी स्थायी आबादी किसी अन्य राज्य या भौगोलिक क्षेत्र में बसाई जाए, ताकि जोखिम का बंटवारा हो सके। इस दिशा में कई योजनाएं बनीं, लेकिन राजनीतिक, प्रशासनिक और स्थानीय प्रतिरोध के कारण वे अब तक मूर्त रूप नहीं ले पाई। बरदा का विकास इस समस्या का आंशिक समाधान हो सकता है, लेकिन व्यापक दृष्टिकोण से हमें राज्य की सीमाओं से बाहर भी सोचने की आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन भी शेर संरक्षण के भविष्य में एक अनदेखा लेकिन बड़ा कारक है। बदलते मौसम पैटर्न, पानी के स्रोतों पर दबाव और चरागाहों की गुणवत्ता में गिरावट दीर्घकाल में शेरों के शिकार आधार को प्रभावित कर सकती है। यदि हिरण, नीलगाय और अन्य शिकार प्रजातियों की संख्या घटेगी, तो शेरों के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराना कठिन हो जाएगा। इसलिए, शेर संरक्षण को केवल 'शेर बचाओ' कार्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय, इसे एक समग्र पारिस्थितिक प्रबंधन के रूप में देखना होगा, जिसमें शिकार प्रजातियों का संरक्षण, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और घासभूमियों का पुनर्निर्माण शामिल हो।

यहां यह उल्लेखित है कि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशियाई शेर भारत के वन्यजीव कूटनीति का भी प्रतीक हैं। जैसे अफ्रीकी हाथी या पांडा चीन के वन्यजीव विरासत के प्रतीक हैं, वैसे ही एशियाई शेर भारत की वैश्विक छवि में गर्व का स्थान रखते हैं। भारत का यह दायित्व है कि वह इस प्रजाति के संरक्षण में न केवल घरेलू स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से भी योगदान दे। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीस) में भूमि पर जीवन और जैव विविधता संरक्षण के लक्ष्य स्पष्ट हैं, और शेर संरक्षण उनमें सीधा योगदान देता है। साथ ही आर्थिक दृष्टि से भी शेर पर्यटन गुजरात के लिए एक स्थायी आय स्रोत है। गिर राष्ट्रीय उद्यान हर वर्ष लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है, और इसके साथ जुड़े होटल, गाइड, परिवहन और स्थानीय हस्तशिल्प उद्योग हजारों लोगों को रोजगार देते हैं। यदि बरदा और अन्य क्षेत्रों का संरक्षण-आधारित विकास किया जाए, तो यह मॉडल पूरे देश में अपनाया जा सकता है।

कहना होगा कि आज जब हम विश्व शेर दिवस मना रहे हैं, तो यह अवसर है प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिदृश्य का जीवंत प्रतीक के लिए। शेर की दहाड़ में केवल शक्ति का स्वर नहीं, बल्कि प्रकृति की उस जटिल श्रृंखला की प्रतिध्वनि है, जिसका हिस्सा हम भी हैं। यदि यह दहाड़ कभी थम गई, तो इसका अर्थ होगा कि हमने अपने पारिस्थितिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ खो दिया है। इसलिए, शेर संरक्षण को केवल वन विभाग या सरकारी योजनाओं की जिम्मेदारी न मानकर, इसे लोक के स्वभाव का अंग बनाना बनाना होगा। विद्यालयों में बच्चों को शेर और उनके आवास के बारे में शिक्षित करना, स्थानीय समुदायों को संरक्षण के लाभ समझाना, और शहरी समाज को भी वन्यजीव-हितैषी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना उतना ही जरूरी है जितना कि वैज्ञानिक शोध या वित्तीय निवेश।

अंततः यही कहा जाए तो उचित होगा कि एशियाई शेर का भविष्य हमारे सामूहिक निर्णयों पर निर्भर करेगा। क्या हम उसे केवल एक स्मृति, एक चित्र या एक प्रतीक में सिमटने देंगे या यह सुनिश्चित करेंगे कि आने वाली पीढ़ियां भी उसकी दहाड़ को सुन सकें? विश्व शेर दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि आओ; हम खुद से यह संकल्प लें कि 'जंगल का राजा' हमेशा अपने साम्राज्य में सुरक्षित और स्वतंत्र रहेगा और उसके साथ-साथ हमारी धरती की जैव-विविधता भी हम सभी के बीच सदैव अपने विस्तार को आगे बढ़ाती रहेगी ।

हरघरतिरंगाः स्वाभिमान, समान और शौर्य का प्रतीक

प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ तिवारी

स्वतंत्रता के अमृत काल में, भारत सरकार ने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'हर घर तिरंगा' अभियान का आह्वान किया है। यह अभियान केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, अपितु 13 से 15 अगस्त के मध्य प्रत्येक भारतीय को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी एकता, गौरव और प्रतिबद्धता के प्रकटीकरण का संदेश है। यह अभियान तिरंगे के साथ हमारे रिश्ते को आधिकारिक और संस्थागत दायरे से निकालकर व्यक्तिगत और आत्मिक बनाने का एक सशक्त माध्यम है, जो हमें हमारी सामूहिक पहचान और साझा भविष्य का स्मरण कराता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का वर्तमान स्वरूप एक लंबी विकास यात्रा और स्वतंत्रता संग्राम की विविध विचारधाराओं का परिणाम है। इसके मूल डिज़ाइन का श्रेय पिंगली वेंकैया को दिया जाता है, लेकिन इसकी आत्मा दशकों के संघर्ष और बलिदान से बनी है। 1904 में भगिनी निवेदिता ने पहला ध्वज डिजाइन किया, जिसमें लाल और पीली पट्टियाँ थीं–लाल बलिदान और पीला विजय का प्रतीक। केंद्र में 'वज्र' और 'वंदे मातरम' अंकित था।7 अगस्त 1906 को कलकत्ता के पारसी बागान स्क्वायर में हरे, पीले और लाल रंग वाला ध्वज फहराया गया, जिसमें कमल के फूल और 'वंदे मातरम' लिखा था। इससे प्रेरित होकर 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने 'कामा ध्वज' बर्लिन में फहराया, जिसमें केसरिया, पीला और हरा रंग, शीर्ष पर कमल और ससर्षि के सात सितारे थे।1917 में होम रूल आंदोलन के दौरान लोकमान्य तिलक और एनी बेसेंट ने पाँच लाल और चार हरी पट्टियों वाला ध्वज प्रस्तुत किया, जो हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक था।1921 में पिंगली वेंकैया ने गांधीजी को लाल और हरे रंग वाला ध्वज दिखाया। गांधीजी ने सफेद पट्टी और केंद्र में चरखा जोड़ने का सुझाव दिया, जो आत्मनिर्भरता और प्रगति का प्रतीक था।1931 में ऐतिहासिक सहमति से ध्वज का स्वरूप तय हुआ–केसरिया, सफेद और हरे रंग की पट्टियाँ, केंद्र में चरखा। केसरिया साहस, सफेद शांति और हरा समृद्धि का प्रतीक बना।अंततः 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने इसे स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय ध्वज अपनाया। चरखे के स्थान पर अशोक चक्र रखा गया, जो राष्ट्र की शाश्वत गति और प्रगति का प्रतीक है।आज यह ध्वज केवल तिरंगा नहीं, अपितु हमारे स्वतंत्रता संग्राम, एकता, अखंडता और राष्ट्र की अनवरत प्रगति की जीवंत पहचान है।

संविधान सभा में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने इस ध्वज के दार्शनिक महत्व को समझाते हुए कहा था कि केसरिया रंग त्याग और निस्वार्थता का, सफेद रंग प्रकाश, सत्य और सादगी का, तथा हरा रंग धरती और वनस्पति से हमारे संबंध का प्रतीक है, जिस पर हमारा जीवन आधारित है। केंद्र में स्थित अशोक चक्र धर्म के शासन का प्रतिनिधित्व करता है, जो यह संदेश देता है कि इस ध्वज के नीचे शासन करने वालों को सत्य और नैतिकता के सिद्धांतों पर चलना होगा। यह ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, अपितु हमारे स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों, हमारे शहीदों के बलिदान और एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के वादे का जीवंत प्रतीक है। प्रत्येक भारतीय के मन में अपने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अगाध प्रेम और सम्मान है। इसी सम्मान को बनाए रखने के लिए भारतीय ध्वज संहिता, 2002 लागू की गई, जो ध्वज फहराने से जुड़े सभी नियमों और औपचारिकताओं को समेकित करती है।

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलरू

हृदयनारायण दीक्षित

भारत उत्सवधर्मा राष्ट्र है। यहां प्रतिदिन उत्सव है। प्रतिदिन उल्लास और हर समय आनंद की वर्षा। अभी बहुत समय नहीं हुआ, नाग पूजा का पर्व नागपंचमी बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। हनुमान जयंती के अवसर पर श्रद्धालु हिंदू घर से निकल पड़ते हैं। सामाजिक आयोजन में हिस्सा लेते हैं। सावन में शिवार्चन और रुद्राभिषेक चलते हैं। इसके पहले रामनवमी के उत्सवों की श्रृंखला लंबे समय तक चली है।

भारत के सभी उत्सवों में कोई न कोई संदेश अवश्य रहता है। पूर्वजों ने पर्व और उत्सवों की रचना पूरे मनोयोग से की है। लोकमंगल को पर्व का ध्येय बनाना था। पिछले महीने वायुमंडल तप रहा था। अब रिमझिम वर्षा हो रही है। घर से निकले वर्षा होने लगी। सब कुछ भीग गया। तन भीगा, मन भीगा। वन उपवन भी वर्षा के साथ झूम रहे हैं। भारत प्राचीन देश है। विशाल भूखण्ड है। क्षेत्रीय विविधताएं हैं। अनेक बोलियां हैं। अनेक भाषाएं हैं। इसलिए उत्सव और पर्व मनाने का ध्येय एक होने के बावजूद आयोजनों में विविधता है। आनंद के इस अतिरेक को लगातार बांटने और राष्ट्रजीवन की पंक्ति में गरीब वर्ग को भी सामूहिकता के रस रंग में झूमते हुए नृत्य करने का अवसर मिलना चाहिए।

हमारा प्राचीन साहित्य वर्षा, सावन और उत्सवों के उल्लेख से भरा पूरा है। सिनेमा में भी सावन और वर्षा के गीतों की बहार है। वर्षा में आनंद मगन होने के लिए किसी खास तैयारी की आवश्यकता नहीं होती। यहां कोई आरक्षण नहीं है। वर्षा गरीब अमीर में भेद नहीं करती है। सावन किसान के लिए भी नृत्य मगन होने का अवसर है। शहर से दूर ग्रामीण अंचल में भी सावन आता है और पूर्वजों द्वारा गढ़े गए उत्सवों के बीच हम सबको पुलकित करता है। ऐसे ही तमाम उत्सवों में से एक उत्सव है रक्षाबंधन।

भारत रत्न पी. वी. काणे ने 'धर्मशास्त्र का इतिहास' खंड चार (पृष्ठ 53) में लिखा है, ÷श्रावण की पूर्णिमा को अपराह्न में एक कृत्य होता है, जिसे रक्षाबंधन कहते हैं। श्रावण की पूर्णिमा को सूर्योदय के पूर्व उठकर देवों, ऋषियों और पितरों का तर्पण करने के उपरांत अक्षत, तिल, धागों से युक्त रक्षा बनाकर धारण करना चाहिए।÷

रक्षाबंधन प्राचीन पर्व है। क्षेत्रीयता के प्रभाव में पर्व के मनाए जाने का तरीके अलग-अलग हैं। उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में बहनें अपने भाइयों को रक्षासूत्र बांधती हैं। मिठाई खिलाती हैं। भाई-बहन के मध्य प्राकृतिक आत्मीयता होती है। भाई इस अवसर पर बहन को हमेशा रक्षक बने रहने का आश्वासन देता है। पश्चिमी भारत विशेषतया कोंकण और मालाबार में सभी वर्गों के लोग समुद्र तट पर जाते हैं। समुद्र को पुष्प और नारियल अर्पित करते हैं। पी. वी. काणे ने बताया है कि, ÷सावन की पूर्णिमा को समुद्र में तूफान कम आते हैं, इसीलिए समुद्र देवता को नारियल चढ़ाया जाता है, कि वे व्यापारी जहाज को सुविधा दे सकें।÷

साधारणतया उत्सवों में राजा नहीं जाते थे, लेकिन रक्षाबंधन के दिन राजा एक भवन में बैठता था और पुरोहित मंत्र पढ़ते थे। पी. वी. काणे ने बताया है, ÷राजा के लिए महल में एक वर्गाकार भूमि स्थल पर जल पात्र रखा जाना चाहिए। उसे मंत्रियों के साथ आसन ग्रहण करना चाहिए। लगातार गीतों और आशीर्वचनों का तांता लगा रहना चाहिए। विद्वानों और ज्ञानियों को सम्मान देने के बाद राजपुरोहित को बुलाना चाहिए और यह मंत्र पढ़ते हुए राजा के हाथों में रक्षा सूत्र बांधना चाहिए-येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलरू। तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल-अर्थात मैं आपको यह रक्षा सूत्र बांधता हूं, जिसमें दानवों के राजा बलि बांधे गए थे। हे रक्षासूत्र हमारी रक्षा के लिए यहां से न हटो।÷ रक्षासूत्र के लिए यह मंत्र सर्वत्र पढ़ा जाता है।

पूर्वजों ने समाज के चिंतन में उत्सवों का रस घोल दिया है। रक्षासूत्र केवल राजा के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं था। साधारण जन भी अपने किसी परिजन से या गांव के किसी वरिष्ठ जन से रक्षासूत्र बंधवाते थे। भविष्योत्तर पुराण में लिखा है कि, ÷इंद्राणी ने इंद्र के दाहिने हाथ में रक्षासूत्र बांधा था। इससे इंद्र की शक्ति बढ़ गई और उन्होंने असुरों को पराजित कर दिया। रक्षासूत्र आदर्श परंपरा है। रक्षा प्रत्येक जीव की आकांक्षा है। कुछ जीवधारी रक्षा के लिए ही समूह बनाकर चलते हैं। कुछ जीवधारी अपने ऊपर हमला करने वाले से अकेले ही लड़ते हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध और नियम मानने की पक्षधरता वाले समाज प्रगतिशील होते हैं। आत्मरक्षा मनुष्य सहित सभी प्राणियों की जिजीविषा है। राष्ट्र रक्षा के लिए अर्पित रहना उत्कृष्ट जीवन मूल्य है। भारत में यह परंपरा और राष्ट्र रक्षा का विचार ऋग्वेद के रचनाकाल के समय ही प्रकट हो गया था। इसी विचार परंपरा में रक्षासूत्र की बात चली होगी। रक्षासूत्र कोई कवच नहीं है। यह साधारण धागा नहीं है। हमारे देश में सभी मांगलिक अवसरों पर रक्षासूत्र की परंपरा है। मंदिरों में पुरोहित रक्षासूत्र बांधते हैं। विवाह आदि अवसरों पर भी रक्षासूत्र का चलन है। प्रगाढ़ भावना से बांधे गए रक्षासूत्र हमारे अंतःकरण में सकारात्मक रासायनिक परिवर्तन लाते हैं।

राष्ट्र की रक्षा राजा का प्रथम कर्तव्य है। पुरोहित रक्षासूत्र बांधकर उसे प्राथमिक कर्तव्य का स्मरण कराता था। यहां पुरोहित का अर्थ सामान्य प्रवचनकर्ता या कथावाचक नहीं है। पुरोहित का अर्थ है 'पुर का हितैषी'। पुरोहितों की परंपरा के विस्तार से राष्ट्रजीवन को लाभ हुआ। फिर यही परंपरा बहनों द्वारा भाई को रक्षासूत्र बांधने के रूप में भी व्यापक हो गई। रक्षा सूत्र का मूल आधार प्रेम और कर्तव्य है। बहनों द्वारा भाइयों को रक्षासूत्र बांधना ठीक है। शिष्य द्वारा आचार्य को और छात्र द्वारा अध्यापक को रक्षासूत्र बांधने का क्रम चलना चाहिए। कितना सुंदर हो कि शिष्य रक्षासूत्र लेकर आगे बढ़े, आचार्य के श्रीचरणों में निवेदन करे, ÷मैं आपको यह रक्षासूत्र समर्पित करता हूं। आपके हाथों को सुसज्जित करता हूं। यह रक्षासूत्र मेरी भी रक्षा करे और आपकी अभिरक्षा में हम ज्ञान प्राप्त करें।

आधुनिक भारत में ज्ञान विज्ञान और तकनीकी का अद्भुत प्रयोग चल रहा है। राष्ट्र जीवन के सभी क्षेत्रों में उन्नति हुई है। समूचे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। लोगों की आय बढ़ी है। व्यय करने की क्षमता बढ़ी है। कारें बढ़ी हैं। गगनचुंभी भवन बढ़े हैं। बाजार में रक्षासूत्रों की बहार है। तरह तरह के रंग हैं। सोने-चांदी के भी रक्षासूत्र हैं। परंपरा बाजार की चेरी बनाई जा रही है। हमारी प्रतिष्ठा बाजार तय कर रहा है। हमारे जीवन में कोई कमी जरूर है। कोई छिद्र है, जिससे उल्लास रस रिसता है और हम तमाम संपन्नता के बावजूद रीते रीते बने रहते हैं। आनंदरस का घट उफनाता नहीं। इस रिक्तता की पूर्ति उत्सव कर सकते हैं। रक्षाबंधन का अवसर यही प्रतीति दे सके, तो जन गण मन स्थायी रूप से आनंदित रहेगा। शुभकामना बधाई।

हर घर तिरंगा अभियान तथा स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें। आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक जोर शोर से हर घर तिरंगा अभियान चलायें। इसके साथ-साथ जन्माष्टमी पर्व की भी तैयारी कर लें। जिले में स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों और शहीदों की गाथाओं को संकलित कराकर उनका समुचित दस्तावेजीकरण करायें। स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेश की उपलब्धियों के साथ-साथ जिले की उपलब्धियों और विकास गाथाओं को भी आमजनता तक पहुंचायें। पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान और स्वतंत्रता दिवस का समारोह पूरे उल्लास के साथ मनायें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में नवीन उद्योगों की स्थापना तथा रोजगार मूलक कार्यों पर भी विशेष ध्यान दें। रोजगार मेलों का प्रभावी आयोजन करके युवाओं को विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से लाभांवित करायें। फसल बीमा की राशि किसानों के बैंक खाते में जारी की जा रही है। इसका भी समुचित प्रचार प्रसार करें। बाढ़ और अतिवृष्टि से फसलों को हुई हानि का तत्काल सर्वे कराकर पीड़ितों को राहत राशि जारी करायें।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने संभाग के कमिश्नर और कलेक्टरों से हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में जानकारी ली। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। शिक्षण संस्थाओं में पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, तिरंगा रैली, भाषण प्रतियोगिता जैसे आयोजन लगातार किये जा रहे हैं। संभाग के सभी जिलों में 12 अगस्त को तिरंगा साइकिल रैली निकाली जायेगी। इसी तरह 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा और स्वच्छता के लिए मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में हर घर तिरंगा अभियान में शामिल विभिन्न विभागों की गतिविधियों की विभागवार जानकारी दी गयी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी कार्यालय से कमिश्नर तथा अन्य अधिकारी शामिल रहे। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर प्रतिभा पाल, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा अन्य अधिकारी इसमें शामिल हुए।

सतना जिले से टाइगर सफारी मुकुंदपुर को हटाना एक बड़ा राजनैतिक षड्यंत्र

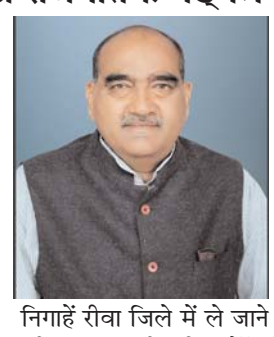

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने मुकुंदपुर टाइगर सफारी को जिले के परिसीमन के नाम से रीवा जिले के नेताओं को रीवा ले जाना एक बड़ा राजनैतिक षड्यंत्र निरूपित किया है। मिश्रा ने कहा है कि पहले सतना अब मैहर जिले के मुकुंदपुर आनंदगढ़ आमिन धोबहट परसिया पपरा पंचायतो को मैहर जिले से हटाना बेहद ही औचित्य पूर्ण है व परिसीमन के नाम से मुकुंदपुर टाइगर सफारी रीवा जिले में ले जाना एक बड़ा राजनैतिक षड्यंत्र है। कांग्रेस अध्यक्ष मिश्रा ने कहा है कि जब से मुकुंदपुर टाइगर सफारी बना है तभी से रीवा के नेताओं की निगाहें रीवा जिले में ले जाने की बराबर बनी रही क्योंकि अभी भी मैहर जिले में स्थित सफेद बाघों की सफारी रीवा जिले के डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ही मौजूद है कांग्रेस अध्यक्ष मिश्रा कहा है कि यदि परिसीमन के नाम पर मुकुंदपुर टाइगर सफारी सहित अन्य पंचायतो को रीवा जिले में ले जाने की कोशिश की गई तो क्षेत्रीय जनता सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करेगी करेगी।

संपन्न हुई पेरेंट्स-टीचर मीटिंग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, नागौद में आज पेरेंट्स-टीचर मीटिंग आयोजित की गई जिसमें सर्व प्रथम कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की डायरेक्टर शशी सिंह प्राचार्य संजीव श्रीवास्तव ने मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर की।

इसके उपरांत विद्यालय की एकेडमिक हेड रेनू सिंह के द्वारा विद्यार्थियों की पूरे साल की गतिविधियों के बारे में पैरेंट को बताया तत्पश्चात विद्यालय में उपस्थित सभी अभिभावकों की समस्याएं सुनी गई तत्पश्चात विद्यालय की डायरेक्टर शशी सिंह ने कहा कि हम निरंतर विद्यार्थियों को शिष्टता के मार्ग पर चलने के लिए तत्पर कर रहे है जिससे कि विद्यार्थी अपने जीवन में सभ्य तथा संस्कारवान बन सके हम निरंतर विद्यार्थियों के साथ कड़ी मेहनत कर रहे है तथा यूनिट टेस्ट में अच्छा स्कोर करने वाले विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गर्भवती गाय की पीट-पीटकर हत्या, एसपी ने दिए जांच के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दुआरी गांव में शनिवार को एक युवक ने गर्भवती गाय को सड़क पर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। घटना से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, आरोपी विष्णु लोनिया ने श्यामाचरण पटेल की गाय को सड़क पर रोककर उस पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना और तब तक गाय को पीटता रहा जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

पीड़ित श्यामाचरण पटेल ने बताया कि वह रोज की तरह अपनी गाय को चारागाह में चरने के लिए छोड़ा था। उन्होंने कहा- मैंने सोचा था कि रोज की तरह मेरी गाय चारा चरकर वापस आ जाएगी। लेकिन लोगों से इस घटना का पता चला। प्रत्यक्षदर्शी संतोषी पटेल ने बताया कि आरोपी ने गाय को बेरहमी से पीटा। घटना की सूचना डायल 100 को दी गई, लेकिन कई बार फोन करने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

एमपी टास पोर्टल में पंजीयन 20 अगस्त तक होगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिये नवीन आवेदनों हेतु एमपीटास पोर्टल पर आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हो गयी है। आवेदनों हेतु पोर्टल पर नवीन आवेदन 5 अगस्त से 20 अगस्त तक भरे जा सकते हैं। सहायक संचालक पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक ने समस्त शैक्षणिक संस्था प्रमुखों से अपेक्षा की है कि वर्ष 2024-25 नवीन के लंबित छात्रों से आवेदन भरने हेतु सूचित करें, ताकि निर्धारित समयावधि में पोर्टल में आवेदन किये जा सकें।

2 समुदायों के बीच हिंसक झड़प, देर रात जमकर चले पत्थर और शराब की बोतलें; 3 घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रानी तालाब के समीप स्थित बसोर बस्ती में शनिवार रात दो समुदायों के बीच मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कुचवधिया और बंसल समाज के बीच हुए इस संघर्ष में तीन लोग घायल हो गए। देर रात स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों ओर से पत्थर और शराब की बोतलें फेंकी गईं। कुछ उपद्रवियों ने तलवारें भी लहराईं। तनाव की सूचना मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) राजीव पाठक के नेतृत्व में बिछिया, कोतवाली, समान और सिविल लाइन थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। देखते ही देखते पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है।

नशे में धुत युवकों ने बाइक टच होने पर की मारपीट: थाना प्रभारी श्रृंगेश राजपूत ने बताया कि बाइक टच होने को लेकर नशे में धुत तीन युवकों ने करण बंसल पर हमला कर दिया।पुलिस के अनुसार, करण बंसल बाइक से जा रहे थे। रानी तालाब के पास उनकी बाइक दूसरी बाइक से टच हो गई। इस पर नशे में धुत सोहेल, किशन और अमर ने उन पर हमला कर दिया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग सड़क पर आ गए और एक-दूसरे पर पत्थर और शराब की बोतलें फेंकने लगे। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने करण बंसल की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

70 से अधिक पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात: स्थानीय लोगों ने बताया कि मामूली विवाद में दोनों पक्षों की ओर से तलवारें लहराई गईं।

बारिश में ढहा एसएएफ जवानों का आवास, सामान मलबे में दबा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां थाना परिसर में स्थित एसएएफ की 14वीं बटालियन का 20 वर्ष पुराना आवासीय भवन बीती रात बारिश के कारण भरभराकर गिर गया। हादसे के समय सभी जवान ड्यूटी पर थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। आधी रात के आसपास हुई इस घटना में लगातार बारिश से कमजोर हुई दीवारें और छत धराशायी हो गईं। भवन के मलबे में जवानों का सारा सामान, खान-पान की सामग्री, बर्तन, बिस्तर और फर्नीचर दब गया।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, यह भवन एसएएफ जवानों का अस्थायी निवास था। पिछले कुछ समय से दीवारों में पानी का रिसाव हो रहा था, लेकिन कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित जवानों के लिए अस्थायी व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

20 साल पुराना था भवन

पुलिस के अनुसार यह भवन लगभग 20 साल पुराना था। यह एसएएफ 14वीं बटालियन के जवानों का अस्थायी निवास था। जवान मझगवां थाना परिसर में ड्यूटी के दौरान यहीं ठहरते थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन ने क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुराने और जर्जर भवनों की समय-समय पर मरम्मत कराई जानी चाहिए। इससे इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता है।

मैहर की धरती बंटने नहीं देंगे, अमरपाटन के ग्रामों को रीवा में मिलाने का प्रस्ताव जनता के साथ विश्वासघात

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। तहसील अमरपाटन के ग्राम आनंदगढ़, आमिन, धोबहट, मुकुंदपुर, परसिया एवं पपरा को मैहर जिले से अलग कर रीवा जिले में मिलाने के प्रस्ताव ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने इस प्रस्ताव को जनभावनाओं के साथ खुला विश्वासघात करार देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और क्षेत्र की जनता इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। घई ने कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक बदलाव नहीं बल्कि हमारी सामाजिक सांस्कृतिक पहचान और विकास के अधिकारों पर सीधा हमला है। यह प्रस्ताव मैहर जिला के गौरवपूर्ण क्षेत्र मे अतिक्रमण जैसा भी है जे भाजपा का योजनबद्ध सडयंत्र का हिस्सा है मैहर की धरती को कमजोर करने और यहां की जनता को हाशिये पर धकेलने का प्रयास है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन बिना जनता की राय लिए ऐसे फैसले कर रहा है, जो स्थानीय विकास, रोज़गार और बुनियादी सुविधाओं पर गंभीर असर डालेगा। धर्मेश घई ने चेतावनी दी कि अगर प्रस्ताव वापस नहीं लिया गया तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ सड़कों पर उतरकर एतिहासिकआंदोलन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जिला कांग्रेस ने मांग की है कि इस प्रस्ताव को तुरंत निरस्त कर मैहर जिले की अखंडता को सुरक्षित रखा जाए। हमारा संदेश साफ है कि मैहर की सीमा और अस्मिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे जो हाथ हमारी धरती को बांटने की कोशिश करेगा उसे जनता के जनांदोलन का सामना करना पड़ेगा।

अमर ज्योति परिवार का 21 सितंबर को नेत्रदान, देहदान परिजन सम्मान समारोह का कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमर ज्योति परिवार द्वारा नेत्रदाता परिजन सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन 21 सितंबर को किया जाएगा। इस कार्यक्रम की कार्ययोजना रोटरी क्लब, सर्किट हाउस में संयोजक मनोहर डिगवानी की उपस्थिति में बनाई गई। कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें नेत्रदान एवं देहदान कर मानवता की सेवा करने वाले महान व्यक्तियों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य नेत्रदान के महत्व को समाज में व्यापक रूप से प्रचारित करना और लोगों को प्रेरित करना है।

इस दौरान संयोजक मनोहर डिगवानी कमल पुरस्वानी अरोड़ा मनोज अरोरा मनमोहन माहेश्वरी बसंत शर्मा ललित खुराना श्याम लाल गुप्ता श्यामू ज्ञान खटवानी विभाष बनर्जी संजय वाधवानी विनोद गैलानी अनिल झुलवानी रूपेश वालेचा दीपक वाधवानी संदीप धूत तरुण ठक्कर दीपक चुगवानी उपस्थित रहे।

नशामुक्त जनजागृति अभियान 15 से 30 तक होगा संचालित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 15 अगस्त से 30 अगस्त तक नशामुक्त जनजागृति अभियान संचालित होगा। समाज में युवाओं एवं बच्चों में तंबाकू से बने उत्पाद के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए जनजागृति के उद्देश्य से अभियान संचालित होगा। आयोजन में स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, उच्च शिक्षा, महिला बाल विकास विभाग एवं जन अभियान परिषद, प्रजापति ब्राम्हकुमारी, गायत्री परिवार तथा स्वैच्छिक संस्थाएं तथा धार्मिक संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

भव्य तिरंगा यात्रा, हर वर्ग में देशभक्ति का उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व पर सतना में निकली विशाल तिरंगा यात्रा में हर वर्ग के लोगों का उत्साह देखने लायक रहा। बीटीआई मैदान से प्रारंभ हुई दोपहिया वाहन रैली में डी.जे. पर बजते देशभक्ति गीतों, भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों से पूरा शहर गूंज उठा। तिरंगा यात्रा के संयोजक जिला उपाध्यक्ष मुरारी सोनी सह संयोजक शुभम तिवारी ने बताया कि यात्रा मार्ग से गुजरते हुए समाजसेवियों ने पुष्पवर्षा कर, मिठाई, नमकीन, बिस्किट, पानी और हलुआ वितरित कर देशभक्ति का परिचय दिया। तिरंगा यात्रा सेमरिया चौक, सर्किट हाउस चौक, स्टेशन रोड, जयस्तंभ चौक, अग्रसेन चौक, कलेक्ट्रेट, धवारी, राजेंद्र नगर, सिविल लाइन, एसपी ऑफिस के सामने से होते हुए शहीद स्मारक में संपन्न हुई।

भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम को प्रकट कर रहे हैं। सदियों के संघर्ष के बाद मिली स्वतंत्रता के इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाना हमारा संकल्प है। उन्होंने मातृशक्ति की भूमिका का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की भागीदारी देश, समाज और लोकतंत्र के निर्माण में बराबरी की है, और उनकी उपस्थिति इस यात्रा को ऐतिहासिक बनाया।

मध्यप्रदेश शासन की मंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और भाजपा संगठन मिलकर तिरंगा यात्रा एवं हर घर तिरंगा अभियान को इस तरह मनाएंगे कि कोई भी घर ऐसा न हो जहां स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा न लहराए। उन्होंने तिरंगा यात्रा में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए सभी बहनों को धन्यवाद दिया।

तिरंगा यात्रा में सर्वधर्म सहभागिता, रचा इतिहास: सतना में निकली भव्य तिरंगा यात्रा ने इतिहास रच दिया। यात्रा में सर्व धर्म के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने भारत की एकता और अखंडता की मिसाल पेश की। यात्रा के दौरान गगनभेदी देशभक्ति नारों और तिरंगे की शान ने पूरे शहर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए *सांसद गणेश सिंह* ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि हर भारतीय, हिंदुस्तान के विषय में सोचे और चिंतन करे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए जागृत होकर कार्य करें। इस तिरंगा यात्रा ने न केवल जन-जन में देशप्रेम की अलख जगाई, बल्कि सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक एकता का भी संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा में दिखी एकजुटता और देशभक्ति का जज्बा- महापौर योगेश ताम्रकार: भव्य तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि जब बात देश की हो तो हमें इसी तरह एकजुटता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की तिरंगा यात्रा में मुस्लिम, सिख, ईसाई, हिंदू— सभी वर्गों के लोग, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा एक साथ नजर आए, जो देशभक्ति का अद्भुत उदाहरण है। महापौर ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि यह एकता और जोश ही भारत की ताकत है और इसी भावना से देश आगे बढ़ता है।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आवेदन अब 13 अगस्त तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि में वृद्धि की गयी है। विद्यार्थी अब 13 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पूर्व में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई थी जिसे बढ़ाकर अब 13 अगस्त कर दिया गया है। इच्छुक विद्यार्थी किसी भी ऑनलाइन सेंटर अथवा मोबाइल के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य मनीष तिवारी ने बताया कि विद्यार्थी को रीवा अथवा मऊगंज जिले के शासकीय विद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययरत एवं रीवा अथवा मऊगंज जिले का निवासी होना चाहिए।

खंडवा में जलसंकट पर हाईकोर्ट में याचिका, निगम अधिकारी पर याचिकाकर्ता को धमकाने का आरोप

खंडवा, (एजेंसी)। खंडवा शहर के कृत्रिम जलसंकट के मामले में हाईकोर्ट याचिका दायर करने वाली सोशल वर्कर अनिता धोत्रे को धमकाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि निगम के पेयजल अधिकारी इंदर चंद मंडलोई ने फोन कर कहा कि- केस वापस ले लो, हमने आपकी तो व्यवस्था कर दी है। धोत्रे के नहीं मानने पर मंडलोई उनके मोहल्ले में गए। जहां एक पंचनामा तैयार किया और कुछ लोगों से साइन कराने लगे कि पानी की कोई समस्या नहीं है, बराबर पानी मिल रहा है। अनिता धोत्रे का आरोप है कि रविवार को छुट्टी होने के बाद भी इंदर चंद मंडलोई सुबह 8 बजे अनिता धोत्रे के रवींद्रनाथ टैगोर वार्ड स्थित उनके मोहल्ले में गए। दबाव बनाकर लोगों से झूठे पंचनामे पर साइन करवा लिए गए है। निगम अफसर ने सरकारी राशन दुकान के एक संचालक और घर में फैक्ट्री चलाने वाले एक व्यापारी से पंचनामे पर हस्ताक्षर करवाए हैं। हालांकि, एक बुजुर्ग ने साइन करने से मना कर दिया।

धोत्रे के पड़ोसी प्रकाशचंद लालवानी ने बताया कि 8-8 दिन नल नहीं आता है, मैं झूठी गवाही देकर क्यों साइन करूं। दरअसल, याचिकाकर्ता के मोहल्ले के रहवासियों ने साइन कराकर नगर निगम इस पंचनामे को हाईकोर्ट में प्रस्तुत कर केस खारिज कराना चाहता है।पैसे नहीं दिए तो मेरे बेटे को मार दिया। मैं होती तो वो मार नहीं पाते, मैं बचा लेती बेटे को।

पुराने विवाद में हुई हत्या: थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में हत्या का कारण पुराना विवाद बताया जा रहा है। मृतक और आरोपी आपस में रिश्तेदार हैं। रात में मोहल्ले के मंदिर के बाहर वाद-विवाद हुआ और इसी बीच मारपीट हुई। मारपीट में अरविंद की मौत हो गई। पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

याचिकाकर्ता को कमिश्नर बंगले से दिया कनेक्शन : अनिता धोत्रे ने बताया कि जब हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई तो कोर्ट ने इसे स्वीकार किया और कलेक्टर-कमिश्नर को नोटिस जारी कर दिए। आनन-फानन में निगम के अधिकारी धोत्रे के घर पहुंचे और उनके घर से थोड़ी दूरी पर स्थित निगम कमिश्नर के बंगले से उन्हें कनेक्शन दे दिया। कमिश्नर बंगले पर लगे बोरवेल से कनेक्शन करने के बाद अनिता धोत्रे को रोजाना साफ-सुथरा पानी मिलने लगा। फिर निगम अधिकारियों ने धोत्रे से कहा कि अब केस वापस ले लो। आपकी समस्या का निराकरण हमने कर दिया है। लेकिन, उन्होंने निगम अधिकारियों से कहा कि, समस्या पूरे शहर की है। मैं इतनी स्वार्थी नहीं हूं कि याचिका वापस ले लूंगी। कानूनी लड़ाई में इतना पैसा खर्च करने की बजाय मैं उन पैसों में खुद का बोरिंग भी करा सकती थी।

कोर्ट ऑफ कंटेम्प्ट में 6 महीने की सजा का प्रावधान : अनिता धोत्रे के मुताबिक, कोर्ट के निर्देश के बाद भी कलेक्टर और निगम कमिश्नर ने शहर में पेजयल व्यवस्था में सुधार नहीं कराया है। हर तीसरे दिन पाइपलाइन फूट जाती है। टैंकर से पानी सप्लाई के नाम पर गंदा पानी बांटा जाता है, जो स्नान के लायक भी नहीं है। हम दोबारा कोर्ट के समक्ष गए, हाईकोर्ट ने कलेक्टर और कमिश्नर को कोर्ट ऑफ कंटेम्प्ट का नोटिस जारी किया है। इसमें 6-6 महीने की सजा का प्रावधान है। अब प्रशासन केस खारिज कराने के लिए प्रयास कर रहा है। मुझ पर केस को वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

भगवान महाकाल की पांचवी सवारी कल निकलेगी:पांच स्वरूपों में दर्शन देंगे बाबा महाकाल, धार्मिक झांकियां और लोकनृत्य भी होंगे

उज्जैन, (एजेंसी)। श्री महाकालेश्वर भगवान की पांचवी सवारी 11 अगस्त सोमवार को शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से निकलेगी। सवारी में भगवान महाकाल पांच स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। इससे पहले मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर का पूजन-अर्चन किया जाएगा। सवारी में पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर श्री शिवतांडव, नन्दी रथ पर श्री उमा-महेश और डोल रथ पर श्री होल्कर स्टेट के मुखारविंद शामिल रहेंगे। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवान पालकी में विराजित भगवान को सलामी देंगे।

परंपरागत मार्ग से निकलेगी सवारी : सवारी परंपरागत मार्ग से होते हुए महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी किया जाएगा। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होते हुए पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर लौटेगी। सवारी के साथ मध्यप्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थलों की झांकियां भी शामिल होंगी। इनमें श्री राजाराम लोक ओरछा, मां बगलामुखी माता मंदिर, मां शारदा शक्तिपीठ मैहर और देवीलोक मां श्री बिजासन माता धाम सलकनपुर की प्रतिकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी।

रॉड, लाठियों और कैंची से युवक की हत्या-सागर में रिश्तेदारों ने सगे भाइयों पर हमला किया

सागर, (एजेंसी)। सागर में एक युवक की रॉड, लाठियों और कैंची से हमला कर हत्या कर दी गई। युवक का भाई बचाने पहुंचा तो आरोपियों ने उससे भी मारपीट की। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया है। विवाद के दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है। वारदात मोतीनगर के करीला इलाके में शनिवार रात में हुई। पुलिस के अनुसार, अरविंद अहिरवार (35) मोहल्ले में मंदिर के बाहर बैठा हुआ था। तभी रिश्तेदारों से उसकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ा और आरोपियों ने रॉड, लाठियों और कैंची से अरविंद पर हमला कर दिया। अरविंद का छोटा भाई साहब अहिरवार (22) बीचबचाव करने पहुंचा। आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया। गंभीर चोटे आने से अरविंद की मौत हो गई।साहब गंभीर घायल है। मामले में पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

पैसों के लेनदेन के विवाद में मारा : मृतक अरविंद की मां नीमा बाई ने बताया, पैसों के लेनदेन के विवाद में मेरे बेटों के साथ मारपीट की गई। बड़े बेटे अरविंद की मौत हो गई। रिश्तेदार जीवन ने अपने सालों और अन्य लोगों के साथ मिलकर बड़े बेटे की हत्या कर दी।

छतरपुर में 25 घंटे बाद मिला युवक का शव-ग्रामीण ने सांस रोककर डुबकी लगाकर निकाला शव, एसडीआरएफ और हमीरपुर की टीम नहीं ढूंढ पाई

छतरपुर, (एजेंसी)। छतरपुर के जुझारनगर थाना क्षेत्र के बारीगढ़ में मां धंधागिरी मंदिर के सरोवर में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। 18 वर्षीय प्रशांत अहिरवार शनिवार सुबह 11 बजे अपने दोस्त दिलीप सिंह के साथ सरोवर में नहाने गया था। प्रशांत लवकुशनगर में रहकर बीएससी प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था और रक्षाबंधन पर अपने गांव हटवा आया हुआ था। दोनों युवक तैरना नहीं जानते थे। वे पहले तालाब के घाट पर नहा रहे थे। इसी दौरान प्रशांत का पैर सीढ़ी पर फिसल गया और वह पानी में डूब गया।

दिलीप ने तुरंत परिजनों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम बुलाई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बाद में हमीरपुर की टीम को भी बुलाया गया। लेकिन रविवार सुबह तक भी शव नहीं मिला।

ग्रामीण ने निकाला शव : 25 घंटे बाद ग्राम पंचायत धवारी के ग्रामीण धन्नू अहिरवार ने सांस रोककर पानी में डुबकी लगाई और शव को बाहर निकाला। धन्नू ने बताया कि वह कल से लगातार प्रयास कर रहा था। उसने पानी में 10 बार डुबकी लगाई थी। उसकी क्षमता पानी में 40 फीट नीचे जाने की है।

मृतक के पिता कालका अहिरवार ने क्षेत्रीय चंदला विधायक और मंत्री दिलीप अहिरवार से शाम को बात की थी। उन्होंने आश्वासन दिया था। लेकिन उसके बाद भी जिला प्रशासन, तहसीलदार और एसडीएम मौके पर नहीं पहुंचे। उनका कहना है कि अगर समय पर कार्रवाई होती तो उनके बेटे की जान बच सकती थी। युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लवकुश नगर अस्पताल भेजा गया है।आरोपी ने कुछ युवाओं से रुपए बैठने के बाद उन्हें नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिए थे। खुफिया शाखा को आरोपित के पास से भी कुछ फर्जी नियुक्ति पत्र एवं फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं, इनमें सील लगी पाई गई है। मिलिट्री इंटेलिजेंस ने आरोपी से जो दस्तावेज जब्त किया उनमें हेड क्वार्टर एरिया से जॉनिंग लेटर दिए गए है।

पति को आत्महत्या के लिए उकसाया: पत्नी, प्रेमी, सास और सालियों पर केस, मौत से पहले बनाए वीडियो में बताया था जिम्मेदार

रतलाम, (एजेंसी)। रतलाम के पीएंडटी कॉलोनी में रहने वाले हरीश खंडेलवाल (30) ने 8 जुलाई को जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने तीन वीडियो बनाए थे। जिसमें रोते हुए अपनी मौत का जिम्मेदार पत्नी की बहनों (सालियों) और ससुराल वालों को बताया था। घटनास्थल रेलवे क्षेत्र से जुड़ा था। एक माह बाद जीआरपी चौकी ने युवक की मौत के पहले बनाए वीडियो व परिजनों के बयानों के आधार पर मृतक की पत्नी, पत्नी के प्रेमी समेत सास व सालियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। जीआरपी चौकी के अनुसार हरीश खंडेलवाल ने वीडियो बनाकर सल्फास की गोलियां खाकर मौत को गले लगाया था। वीडियो व परिजनों के बयान लिए गए। जांच के बाद पत्नी लक्ष्मी राजोरिया, पत्नी के प्रेमी दीपक सेन, पत्नी की मां गुलाबबाई, तीन बहनों इंदिरा, ज्योति व आरती सभी निवासी इंदौर पर केस दर्ज किया है।

मायके चली गई थी पत्नी: बयान में मृतक हरीश की बहन ने बताया था हरीश की शादी 7 दिसंबर 24 को हुई थी। 25 मई 25 को पत्नी मायके चली गई। पत्नी गर्भवती थी। 8 जुलाई 25 को रात 11 बजे हरीश ने सैलाना बस स्टैंड ब्रिज के नीचे जहर खा लिया। हरीश ने अपने चचेरे भाई कुलदीप को फोन कर कहा था कि वह अब नहीं जीना चाहता। कुलदीप जब वहां पहुंचा तो हरीश को उल्टियां हो रही थीं। वह उसे तत्काल जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज ले गया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रेम-प्रसंग सामने आया : मृतक के पिता चुन्नीलाल, मां कलावती, चचेरे भाई कुलदीप, बहन ज्योति आदि के बयान लिए। हरीश की पत्नी लक्ष्मी का दीपक सेन उर्फ वीर निवासी इंदौर से प्रेम-प्रसंग सामने आया। लक्ष्मी की मां गुलाबबाई, बहन इंदिरा, ज्योति और आरती उसे बार-बार मायके ले जाती थी। हरीश के रोकने पर उसे हाथ-पैर तुड़वाने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देना बताया। जहर खाने से पहले हरीश द्वारा बनाए गए तीन वीडियो भी जब्त किए। इसमें हरीश ने ससुरालवालों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करना बताया था।

नर्मदापुरम में 10 दिन बाद छाए बादल:13 अगस्त से हल्की बारिश की उम्मीद, लोगों को उमस से मिलेगी राहत

नर्मदापुरम, (एजेंसी)। नर्मदापुरम जिले में पिछले 10 दिनों से लगातार चिलचिलाती धूप और उमस ने लोगों को बेहाल कर रखा है। तापमान और नमी का स्तर बढ़ने से अगस्त माह में भी लोग मार्च-अप्रैल जैसी गर्मी का अनुभव कर रहे हैं। हालांकि रविवार सुबह से मौसम में बदलाव के संकेत मिले हैं और बादल छाए हुए हैं, जिससे लोगों को आंशिक राहत मिली है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, नर्मदापुरम जिले में अगले दो दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि 13 अगस्त के आसपास अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके बाद मौसम पूरी तरह से करवट ले सकता है। जनजातीय नृत्य भी होगा इसके अलावा चार जनजातीय कलाकारों के दल भी प्रस्तुति देंगे। बैतूल से गौण्ड जनजातीय ठाट्या नृत्य, खजुराहो से कछियाई लोक नृत्य, दमोह से बधाई लोक नृत्य और डिण्डोरी के गेडी जनजातीय नृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र होंगी। यह भाद्रपद माह की पहली और क्रम अनुसार पांचवी सवारी है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा दबाव, मानसून हो रहा सक्रिय : बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी और उससे लगे पश्चिम-मध्य हिस्से में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इस सिस्टम का असर मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में दिखाई देगा, खासकर नर्मदापुरम जिले में।मरावगंज 7 लगातार कई दिनों से बारिश न होने से क्षेत्र के किसान धान की फसल बचाने में जूझ रहे हैं। खेतों में नमी बनाए रखने के लिए किसान नदी-नालों और ट्यूबवेल से सिंचाई कर रहे हैं, लेकिन बिजली लोड ज्यादा होने से निर्धारित समय पर आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। किसान संजीव मेहर ने कहा कि विभाग को कुछ समय के लिए 24 घंटे की बिजली आपूर्ति कम कर, खेतों में तय समय पर बिजली देना चाहिए, ताकि फसल बच सके। उन्होंने कहा–÷किसान है तो सब कुछ है, किसान नहीं तो कुछ नहीं।÷ ग्राम सेवक रजनी अहिरवार ने बताया कि जिन खेतों में रोपाई हो चुकी है, उनमें इस समय कल्ले बनने की अवस्था है। ऐसे में खेतों में नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है। पानी नहीं मिलने पर पौधों की वृद्धि और उत्पादन, दोनों पर असर पड़ेगा। किसान अब छम-छम बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।मौसम विभाग के अनुसार, अब तक प्रदेश में 28.7 इंच बारिश हो चुकी है, जो कुल बारिश का 77 प्रतिशत है। जून-जुलाई में स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अब तक 37 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। इसमें भी पूर्वी हिस्सा जैसे-जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग ठीक है।एमपी में पिछले 7 दिन से तेज बारिश का दौर थमा हुआ है। किसी भी जिले में तेज पानी नहीं गिरा। इससे गर्मी का असर बढ़ गया है। गुरुवार को 10 से ज्यादा जिलों में दिन का पारा 34 डिग्री के पार पहुंच गया। इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। इंदौर संभाग के 8 में से 5 जिले ऐसे हैं, जहां 13 इंच से कम पानी गिरा है। सिर्फ अलीराजपुर और झाबुआ में ही 20 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। दूसरी ओर, ग्वालियर में सबसे ज्यादा 35 इंच बारिश हो चुकी है। यहां कुल बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। जबलपुर और भोपाल की तस्वीर भी बेहतर है।

मौजूदा मानसून ट्रफ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली होते हुए उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है। वहीं, एक चक्रवातीय परिसंचरण उत्तर प्रदेश की ओर सक्रिय है। इन दो मौसमी गतिविधियों के प्रभाव से जिले में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

अब तक हुई बारिश का आंकड़ा : 1 जून से 10 अगस्त तक जिले में औसतन 35.06 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में थोड़ा बेहतर है। वर्ष 2024 में इसी अवधि में 34.09 इंच बारिश दर्ज की गई थी।

तवा डैम भर चुका, नर्मदा में जलस्तर मामूली बढ़ा : बारिश के बावजूद नर्मदा नदी का जलस्तर अपेक्षाकृत कम बना हुआ है। तवा डैम पूरी तरह लबालब हो चुका है। वर्तमान जलस्तर~1160.49 फीट (गवर्निंग लेवल से ऊपर) सेठानी घाट पर नर्मदा का जलस्तर~937.70 फीट, जो सामान्य गर्मियों के जलस्तर से मात्र 3ङ्क3.5 फीट ज्यादा है।

सिवनी के सत्येंद्र का दिल इराक में धड़केगा: मेडिकल छात्रा को किया गया ट्रांसप्लांट ,सड़क दुर्घटना में ब्रेनडेड हुआ था युवक

जबलपुर, (एजेंसी)। सिवनी जिले के 31 साल के सत्येंद्र यादव सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने 7 अगस्त को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने परिजनों को अंगदान करने की सलाह दी, जिसे उन्होंने सहमति दे दी। सत्येंद्र का दिल (हार्ट), लिवर और दोनों किडनियां दान कर दी गई। सत्येंद्र का हार्ट इराक की रहने वाली मेडिकल छात्रा नूर को लगाया गया है। अहमदाबाद के एक अस्पताल में सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया। नूर पिछले दो साल से दिल की गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। इराक में दिल नहीं मिलने के बाद उसने गुजरात स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन में रजिस्ट्रेशन करवाया था। अब सत्येंद्र का दिल लगने के बाद नूर भी सामान्य जिंदगी जी सकती है। सत्येंद्र का लिवर भोपाल में भर्ती एक मरीज को लगाया गया, जबकि एक किडनी जबलपुर के मरीज को ट्रांसप्लांट की गई। अब सवाल उठता है कि भारतीय मरीजों की जरूरत के बीच विदेशी नागरिक को अंग कैसे मिला दरअसल, नेशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन अंगदान के बाद अंगों का आवंटन एक तय सूची के हिसाब से करता है। सत्येंद्र का हार्ट जबलपुर में उपलब्ध हुआ था, लेकिन मध्यप्रदेश में उस वक्त कोई जरूरतमंद मरीज नहीं था। ऐसे में तय प्रक्रिया के तहत यह अंग गुजरात को आवंटित किया गया। वहां भी कोई भारतीय मरीज न मिलने पर विशेष अनुमति लेकर हार्ट नूर को ट्रांसप्लांट किया गया।

बम की तरह फटे सिलेंडर, 100 फीट ऊंची लपटें उठी-राजगढ़ में 5 से ज्यादा ब्लास्ट हुए, दहशत में आकर इधर-उधर भागे लोग

राजगढ़, (एजेंसी)। राजगढ़ में एक कियोस्क सेंटर में आग लग गई। जिससे वहां रखे गैस सिलेंडरों में एक-एक कर ब्लास्ट होने लगे। गैस सिलेंडर बम की तरह फटे। आग की लपटें करीब 100 फीट की ऊंचाई तक उठी। ये घटना शनिवार शाम की जिले के जीरापुर थाना क्षेत्र के गागोरनी की है। जहां बस स्टैंड पर स्थित एक कियोस्क सेंटर में आग लगी। दूर से ही लपटें दिखाई दे रही थी। बताया जा रहा है कि सिलेंडर के ठीक पास किसी वजह से आग लगने से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया- दुकान में रखे गैस सिलेंडर एक के बाद एक तेज धमाकों के साथ फटने लगे। 5 से ज्यादा धमाकों की आवाज आई। इससे स्टैंड पर अफरा-तफरी मच गई। लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे।

दूर तक दिखाई दिया काला धुआं : लपटों के साथ उठता काला धुआं दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और खिलचीपुर तहसीलदार विनीत गोयल मौके पर पहुंचे। तहसीलदार ने बताया कि आग लगी दुकान प्रेम सिंह लववंशी की है। अधिकारियों ने कहा कि आग और धमाके के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। दुकान से इंडेन कंपनी के कुछ सिलेंडर बरामद किए गए हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है। कितने सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। बता दें कि दुकानों में रखकर अवैध रूप से गैस सिलेंडर बेचने की शिकायत पर कुछ दिनों पहले प्रशासन ने क्षेत्र में कार्रवाई की थी।

सीहोर में सूखने लगी सोयाबीन की फसल-किसानों ने खेतों में प्रदर्शन कर सरकार से मुआवजे मांगा

सीहोर, (एजेंसी)। सीहोर में एक सप्ताह से वर्षा की कमी के कारण सोयाबीन की फसल खराब होने लगी है। इससे परेशान किसानों ने खेतों में खड़े होकर प्रदर्शन किया है। किसानों ने सरकार से फसल का सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के क्षेत्र इछावर में सोयाबीन की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। इछावर के ग्राम खेरी में किसानों ने अपने खेतों में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों ने अभी तक खेतों का निरीक्षण नहीं किया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ग्रामीणों और परिजन ने मांग की

आंकड़ों के अनुसार, सीहोर जिले में अब तक 647 एमएम बारिश हुई है। पिछले साल इसी अवधि में 748 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। इछावर क्षेत्र में इस साल अभी तक 614 एमएम बारिश हुई है। जबकि पिछले साल इसी समय 964 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। इस प्रकार इछावर में इस वर्ष बारिश में काफी कमी आई है, जिससे फसलें प्रभावित हो रही हैं।छात्राओं की बात सुनकर परिजन आक्रोशित हो गए और गुरुवार दोपहर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ स्कूल पहुंचकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने आरोपी शिक्षक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। परिजन का आरोप है कि शिक्षक 55 वर्षीय फूल मोहम्मद पिछले 15 दिनों से छात्राओं के साथ बेड टच जैसी अश्लील हरकतें कर रहा था।

रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे में शानदार, अगर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिएः सौरव गांगुली

नई दिल्ली, ऐजंसी । पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का रविवार को मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को तब तक एकदिवसीय मैच खेलते रहना चाहिए जब तक वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, क्योंकि पचास ओवरों के प्रारूप में उनका रिकॉर्ड शानदार है।

मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि ऑस्ट्रेलिया में आगामी एकदिवसीय श्रृंखला इस दिग्गज जोड़ी के लिए आखिरी हो सकती है, गांगुली ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी भी बात की जानकारी नहीं है। जब उनसे इस अटकल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता।गांगुली ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि उनके करियर को लम्बा करने में प्रदर्शन ही निर्णायक कारक होना चाहिए। यह कहना मुश्किल है। जो भी अच्छा करेगा, वह खेलेगा। अगर वे अच्छा करते हैं, तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए। कोहली का वनडे रिकॉर्ड शानदार है, यहाँ तक कि रोहित शर्मा का भी। दोनों ही सीमित ओवरों के क्रिकेट में कमाल के हैं, उन्होंने एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस लिमिटेड इवेंट के दौरान कहा।

रिपोर्टों के अनुसार, अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा दो महान भारतीय खिलाड़ियों कोहली और रोहित के लिए अंतिम एकदिवसीय मैच हो सकता है, जो पहले ही टी20 और टेस्ट में अपना अंतिम मैच खेल चुके हैं। दोनों ने अब तक इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि उनका लक्ष्य 2027 विश्व कप है या नहीं। भारत का ऑस्ट्रेलिया का एकदिवसीय दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में होंगे, इसके बाद दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन घरेलू एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। 2026 कैलेंडर में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला और न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और प्रतियोगिता शामिल है।

दुबई में 9 सितंबर से होने वाले टी-20 एशिया कप के बारे में गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम प्रबल दावेदार होगी, क्योंकि इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद उसे काफी जरूरी ब्रेक मिला है। वे ब्रेक पर हैं। आईपीएल के बाद, उन्होंने पाँच टेस्ट मैच खेले और अब वे 9 सितंबर से एशिया कप खेलेंगे। भारत बहुत मज़बूत है, और अगर वे लाल गेंद वाले क्रिकेट में मज़बूत हैं, तो सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में और भी मज़बूत हैं। इसलिए, मेरी राय में, भारत प्रबल दावेदार है, और दुबई के अच्छे विकेटों पर उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा। टेस्ट कप्तान के रूप में शुभमन गिल की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर, गांगुली ने युवा भारतीय टेस्ट कप्तान की जमकर तारीफ़ की- ÷वह भारत के टेस्ट कप्तान हैं, और उनका भविष्य उज्ज्वल है, उन्होंने कहा। गांगुली ने आगे कहा कि वह क्रिकेट प्रशासन में दूसरी पारी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और नामांकन दाखिल करेंगे। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष, जो 2015 के मध्य से अक्टूबर 2019 तक सीएबी के अध्यक्ष थे, ने कहा, ''यदि सदस्य चाहेंगे तो (सीएबी अध्यक्ष पद के लिए) नामांकन दाखिल करेंगे।''

लंबे समय के बाद अपनी बहनों से मिलकर बहुत खुश हूं:आकाश दीप ने रक्षा बंधन मनाया

लखनऊ, ऐजंसी । इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के बाद, भारतीय क्रिकेटर आकाश दीप ने मैदान से कुछ पल दूर रहकर अपने परिवार से मुलाकात की। लखनऊ में अपनी बहनों से मिलने के बाद, इस तेज गेंदबाज ने उनके साथ रक्षाबंधन मनाकर इस खास मौके को यादगार बनाया। आकाश दीप ने पुनर्मिलन की खुशी व्यक्त करते हुए मिडिया से कहा, ÷मैं बहुत खुश हूं क्योंकि मैं लंबे समय के बाद अपनी बहनों से मिल पाया हूं... हम अपनी हर सफलता का जश्न अपनी बहनों के साथ मनाते हैं। आकाश एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में भारत को जीत दिलाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक थे; उन्होंने अपना सिर ऊंचा करके 10/187 के साथ इंग्लैंड में किसी भारतीय द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया तथा इंग्लैंड में किसी भारतीय द्वारा किया गया यह दूसरा दस विकेट का प्रदर्शन था। बर्मिंघम टेस्ट के दौरान यह उमंग और भी तेज़ हो गई जब जसप्रीत बुमराह नहीं खेले। भारत के 587 रनों के जवाब में, आकाशदीप ने डकेट और ओली पोप को आउट किया, जबकि सिराज ने क्रॉली का क्रीज़ पर बने रहना समाप्त किया। अगले दिन, तीसरे दिन, सिराज ने स्टोक्स और रूट को जल्दी-जल्दी आउट कर इंग्लैंड का स्कोर 84/5 कर दिया। ब्रुक और जेमी ने छठे विकेट के लिए 303 रनों की साझेदारी करते हुए विशाल शतक जड़े और पारी की हार टाली, लेकिन सिराज ने एक छक्का और आकाशदीप ने एक चौका लगाकर इंग्लैंड की पारी 407 रनों पर समाप्त की। जब 608 रनों का लक्ष्य रखा गया, तो आकाश ने बैल की तरह तेज़ी से इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया और %बॉल ऑफ़ द सीरीज़% (महान सचिन तेंदुलकर के अनुसार) जो रूट को आउट कर दिया। उनकी गेंद आक्रामक फुल लेंथ पर पिच हुई और रूट की गिल्लियों से टकराकर दूर जा गिरी। इंग्लैंड 271 रनों पर ढेर हो गया और 336 रनों से भारी हार का सामना करना पड़ा। आकाश ने दूसरी पारी में 99 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने 36.46 की औसत से 13 विकेट लिए, जिसमें एक ऐतिहासिक दस विकेट भी उनके नाम रहा। ओवल में खेले गए आखिरी टेस्ट में भी उन्होंने बल्ले से अहम भूमिका निभाई और 94 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 66 रन बनाए। वह चौथे नंबर पर मुश्किल स्थिति में बल्लेबाजी करने आए और बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ 107 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

निशा और मुस्कान ने स्वर्ण पदक जीता, 10 में से 9 भारतीय महिलाएं एशियाई अंडर-19 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक के साथ लौटीं

बैंकॉक, ऐजंसी। भारत की युवा महिला मुक्केबाजों ने महाद्वीपीय मुक्केबाजी में अपनी बढ़ती ताकत को रेखांकित किया क्योंकि निशा (54 किग्रा) और मुस्कान (57 किग्रा) ने रविवार को बैंकॉक, थाईलैंड में अंडर 19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता, और पांच अन्य ने रजत पदक जीता। अंडर-19 स्पर्धा में भाग ले रही 10 महिला मुक्केबाजों में से नौ पदक लेकर लौटेंगी - जिनमें दो स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं - जो कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और चीन जैसे देशों के साथ एक उभरती हुई शक्ति के रूप में भारत की स्थिति को प्रदर्शित करेंगे। निशा ने दिन के दूसरे मुकाबले में भारत के लिए स्वर्ण पदक का खाता खोला जब उन्होंने तीसरे और अंतिम राउंड में चीन की सिरुई यांग के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज करते हुए अपना स्तर ऊंचा किया। इसके बाद मुस्कान ने भारत के लिए लगातार दूसरी जीत दर्ज की, उन्होंने इन एर्मेक को 3-2 से हराकर स्प्लिट डिसीजन हासिल किया।

असम में स्वतंत्रता सेनानी झगरू गौर मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का चौथा संस्करण शुरू

सोनितपुर, ऐजंसी। स्वतंत्रता सेनानी झगरू गौर मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे संस्करण का उद्घाटन शनिवार को असम के सोनितपुर जिले के सोनाबील टी एस्टेट में किया गया। 9 से 24 अगस्त तक आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट असम के उदलगुरी ज़िले के ओरंगाजुली चाय बागान के निवासी, एक सम्मानित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी, झगरू गौर को श्रद्धांजलि है। भव्य उद्घाटन समारोह में 106 आर्टिलरी ब्रिगेड के कमांडर, ब्रिगेडियर तनुज पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।आयोजक टीम ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा पारंपरिक आदिवासी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें स्थानीय युवाओं द्वारा जीवंत परिधानों में प्रस्तुत किया गया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध झुमुर नृत्य भी शामिल था। उद्घाटन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, राष्ट्रीय और राज्य स्तर के फुटबॉल खिलाड़ियों तथा चाय बागान समुदायों के अन्य खेल खिलाड़ियों को भी उनकी उपलब्धियों और योगदान के लिए बड़े उत्साह के साथ सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में ब्रिगेडियर पांडे ने कहा, ÷खेल केवल खेल नहीं है, यह जीवन है। यह अनुशासन, एकता, नेतृत्व और चरित्र सिखाता है। मुझे यहां के युवाओं की ऊर्जा और समर्पण देखकर गर्व हो रहा है।टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच भूटेकाचांग टी एस्टेट एफसी और तेजपुर घाघरा टी एस्टेट एफसी के बीच खेला गया। यह एक कड़ा और रोमांचक मुकाबला था, जहाँ दोनों टीमों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह मैच एक्शन और रोमांचक क्षणों से भरपूर था, जिसने इस क्षेत्र में फुटबॉल के प्रति अपार प्रतिभा और जुनून को दर्शाया।आस-पास के चाय बागानों से 6000 से ज़्यादा दर्शक मैच देखने के लिए इकट्ठा हुए, जिससे एक जोशपूर्ण और उत्सवी माहौल बन गया। फुटबॉल प्रेमियों, परिवारों और स्थानीय नेताओं ने उत्साहपूर्वक तालियाँ बजाईं, जिससे समुदाय में इस खेल की गहरी जड़ें और लोकप्रियता का प्रदर्शन हुआ। यह टूर्नामेंट असम के चाय बागान क्षेत्र का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट माना जाता है, जो युवा खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और खेल भावना प्रदान करता है।

खेलो इंडिया अस्मिता महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए खेलों में एक सकारात्मक कार्रवाई है: केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे

जलगांव, ऐजंसी । 10 अगस्त (एएनआई) खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के एक महत्वपूर्ण प्रयास के तहत, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने महाराष्ट्र के जलगांव स्थित गोदावरी इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड में खेलो इंडिया अस्मिता फुटबॉल लीग 2025-26 का उद्घाटन किया। सकारात्मक कार्रवाई के सिद्धांत को मूर्त रूप देने वाली एक सशक्त पहल, इस लीग का उद्देश्य पूरे क्षेत्र के विविध समुदायों की युवा महिला प्रतिभाओं को उजागर करना और उनका पोषण करना है।

एक दिवसीय आयोजन, जिसकी आधिकारिक शुरुआत एक उद्घाटन समारोह के साथ हुई, में 13 वर्ष और उससे कम आयु के महत्वाकांक्षी फुटबॉल खिलाड़ी एक साथ आए। रक्षा खडसे ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह वह मंच है जहाँ जुनून प्रदर्शन में बदल जाता है, क्योंकि यह लीग महिला खेलों में छिपी अप्रयुक्त प्रतिभा को उजागर करना चाहती है। यह प्रतियोगिता पहली बार खेलने वाले खिलाड़ियों से लेकर छिपे हुए चैंपियन तक, सभी के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

उन्होंने लीग के व्यापक उद्देश्य पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, यह लीग सिर्फ़ खेलों के बारे में नहीं है; यह बाधाओं को तोड़ने के बारे में है। यह सकारात्मक कार्रवाई की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों की महत्वाकांक्षी महिला खिलाड़ियों को सुर्खियों में लाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल सरकार के सबका साथ, सबका विकास के दर्शन का स्पष्ट प्रतीक है।

खेलो इंडिया अस्मिता लीग, खेलो भारत नीति का एक प्रमुख घटक है, जो राष्ट्र निर्माण और महिला सशक्तिकरण के लिए खेलों को बढ़ावा देती है। यह लीग युवा लड़कियों के लिए एक समर्पित मंच है, जो ऐतिहासिक असंतुलन को दूर करने और नए अवसर पैदा करने का काम करती है। यह पहल खेलों में महिलाओं के बारे में सोच बदल रही है।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर थेमिसन न्यूटन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली ,ऐजंसी । न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर थामिसन न्यूटन ने रविवार को 10 वनडे और 15 टी 20 आई के 14 साल के करियर के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार, न्यूटन 2016 आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में टीम का हिस्सा थीं, जहां न्यूजीलैंड की महिलाएं सेमीफाइनल में अंतिम चैंपियन वेस्टइंडीज की महिलाओं से छह रन से हारकर फाइनल में जगह बनाने से चूक गई थीं।

इस तेज ऑलराउंडर ने 10 एकदिवसीय मैचों में 11 विकेट हासिल किए हैं, जिसमें 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ एक बार लिया गया पांच विकेट का कारनामा भी शामिल है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 15 मैचों में नौ विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अपने तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मात्र नौ रन देकर तीन विकेट लेना भी शामिल है। न्यूटन ने आखिरी बार 2017 में एकदिवसीय मैच खेला था, और तीन साल के अंतराल के बाद 2021 में उन्हें न्यूज़ीलैंड के साथ अपना केंद्रीय अनुबंध वापस मिल गया। हालाँकि, उसके बाद उन्होंने केवल तीन और टी20 मैच खेले। वह 2017-18 में WBBL में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए भी खेली थीं। न्यूजीलैंड के घरेलू सर्किट में, न्यूटन ने कई टूर्नामेंट जीते हैं, जिसमें 50 ओवर की प्रतियोगिता हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड भी शामिल है, जिसमें दो अलग-अलग टीमों - कैंटरबरी और वेलिंगटन - के लिए एक-एक बार यह खिताब जीता है।

न्यूजीलैंड ने महिला विश्व कप के लिए चेन्नई में प्रशिक्षण शुरू किया

चेन्नई , ऐजंसी । मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन, न्यूज़ीलैंड की महिला क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की तैयारी के लिए चेन्नई में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, टीम का लक्ष्य एक ही समय में टी20 और 50 ओवर के दोनों खिताब जीतना है, जो इस खेल में एक दुर्लभ उपलब्धि है। 30 सितंबर से शुरू होने वाले वैश्विक मेगा इवेंट के लिए अपनी तैयारियों को तेज करते हुए, व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर और सहायक कोच क्रेग मैकमिलन चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी में आयोजित दो सप्ताह के शिविर में 10 न्यूजीलैंड खिलाड़ियों की देखरेख कर रहे हैं। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, सॉयर ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से शिविर के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए कहा, इस समय न्यूजीलैंड में सर्दी का मौसम है, कोई क्रिकेट नहीं हो रहा है और विश्व कप से लगभग दो महीने दूर हैं।उन्होंने आगे कहा, ÷भारत में तैयारी के लिए, हम सात अनुबंधित खिलाड़ियों और फिर अपनी रुचि के तीन खिलाड़ियों को साथ लाने में सफल रहे हैं। इसलिए, हमें लगता है कि ये लड़कियां भविष्य में भी भारत में खूब क्रिकेट खेलेंगी।

अनुबंधित सात खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेस केर, युवा सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और ऑलराउंडर ब्रुक हॉलिडे शामिल हैं, जबकि इजी शार्प, फ्लोरा डेवोनशायर और एम्मा मैकलियोड उभरते हुए खिलाड़ी हैं। क्रिकेट के अलावा, न्यूजीलैंड अपने खिलाड़ियों को उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाने के तरीकों पर भी विचार कर रहा है। प्रबंधन हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट न्यूजीलैंड और विशेषज्ञ आहार विशेषज्ञ डॉ. क्रिस्टी फेयरबर्न से सलाह ले रहा है, जिन्होंने व्हाइट फर्न्स के साथ-साथ ब्लैक फर्न्स (न्यूज़ीलैंड की महिला रग्बी टीम) के साथ भी काम किया है। न्यूजीलैंड की योजनाओं पर चर्चा करते हुए सॉयर ने कहा, ÷हमने पिछले पांच दिनों में वास्तव में कड़ी मेहनत करने की कोशिश की है और मुझे लगता है कि किसी तरह से ठीक होने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, बल्कि इसे स्वाभाविक रूप से करने की कोशिश करनी चाहिए और अपने शरीर को परिस्थितियों के अनुकूल होने देना चाहिए। उन्होंने कहा, और अब हम तीन मैच खेल रहे हैं, हम अच्छी तरह से वापसी करने की कोशिश करेंगे। लेकिन हाँ, हमने वास्तव में खुद को जितना हो सके उतनी गर्मी में उजागर करने की कोशिश की है।

शिविर में तीन एक दिवसीय मैच होंगे, जिसके बाद दुबई में इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय मैच होंगे और महिला क्रिकेट विश्व कप (बेंगलुरू में दक्षिण अफ्रीका और भारत के खिलाफ) से पहले अभ्यास मैच होंगे, जिससे न्यूजीलैंड को इस आयोजन से पहले उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में खेलने का पर्याप्त समय मिल जाएगा। सॉयर ने कहा, ÷यह बहुत लाभदायक है, और इस वर्ष तो और भी अधिक, क्योंकि फरवरी के बाद से हमारा कोई आधिकारिक मैच नहीं हुआ है।

छत्तीसगढ़ में 'गौधाम योजना' की शुरुआत - पशुधन सुरक्षा, नस्ल सुधार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और पशुधन संरक्षण को नई दिशा देने के लिए गौधाम योजना की शुरुआत करने जा रही है। यह महत्वाकांक्षी योजना न केवल पशुधन की सुरक्षा और नस्ल सुधार को बढ़ावा देगी, बल्कि जैविक खेती, चारा विकास और गौ-आधारित उद्योगों के माध्यम से गांव-गांव में रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी। योजना का स्वरूप इस तरह तैयार किया गया है कि निराश्रित एवं घुमंतु गौवंशीय पशुओं की देखभाल के साथ-साथ चरवाहों और गौसेवकों को नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध हो, जिससे ग्रामीण जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता आ सके। गौधाम योजना के ड्राफ्ट को वित्त एवं पशुधन विकास विभाग से भी मंजूरी मिल चुकी है। गौधाम योजना का उद्देश्य गौवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करना, गौ-उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, गौधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा फसलों के नुकसान और दुर्घटनाओं में पशु एवं जनहानि से बचाव सुनिश्चित करना है। पशुधन विकास विभाग ने यह योजना विशेष रूप से तस्करी या अवैध परिवहन में पकड़े गए पशुओं और घुमंतु पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की है। राज्य में अवैध पशु तस्करी एवं परिवहन पर पहले से रोक है। अंतरराज्यीय सीमाओं पर पुलिस कार्रवाई में बड़ी संख्या में गौवंशीय पशु जब्त होते हैं। इन पशुओं और घुमंतु पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए ही यह योजना शुरू की जा रही है। प्रत्येक गौधाम में क्षमता के अनुसार अधिकतम 200 गौवंशीय पशु रखे जा सकेंगे। गौधाम योजना के तहत चरवाहों को 10,916 रुपए प्रतिमाह और गौसेवकों को 13,126 रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही मवेशियों के चारे के लिए प्रतिदिन निर्धारित राशि प्रदान की जाएगी। उत्कृष्ट गौधाम को वहां रहने वाले प्रत्येक पशु के लिए पहले वर्ष 10 रुपए प्रतिदिन, दूसरे वर्ष 20 रुपए प्रतिदिन, तीसरे वर्ष 30 रुपए प्रतिदिन और चौथे वर्ष 35 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से राशि दी जाएगी। योजना के लिए बजट, नियम और शर्तें तय कर दी गई हैं, ताकि संचालन में किसी तरह की परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गौधाम योजना से प्रदेश में पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और बड़ी संख्या में चरवाहों एवं गौसेवकों को नियमित आय का साधन मिलेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पशुओं की नस्ल सुधार कर उन्हें अधिक दूध देने और खेती-किसानी में पूरी क्षमता से उपयोग करने योग्य बनाया जा सकेगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में जैविक खेती और चारा विकास कार्यक्रमों को भी गति मिलेगी, जिससे ग्राम स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और गांवों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

खरगा की पूनम की मुस्कान में झलकता सुनहरे भविष्य का सपना

युक्तियुक्तकरण से बदला छोटे से गाँव का शैक्षिक परिदृश्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बिलासपुर जिला के कोटा ब्लॉक का छोटा सा ग्राम खरगा अब शिक्षा की नई रोशनी से जगमगा रहा है। इस गाँव के शासकीय प्राथमिक विद्यालय की छात्रा पूनम धृतलहरे की आंखों में अब आत्मविश्वास और उम्मीद दोनों चमकते हैं। मेहनती और होशियार पूनम शुरू से पढ़ाई में आगे रही है, लेकिन लंबे समय से यह विद्यालय एकल शिक्षकीय था, जिससे उसकी और उसके साथियों की शिक्षा प्रभावित हो रही थी। कठिन सवालों के उत्तर न मिल पाने से बच्चे धीरे-धीरे उत्साह खोने लगे थे और कुछ तो स्कूल छोड़ने की सोच भी रहे थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए गए युक्तियुक्तकरण ने इस गाँव के बच्चों की जिंदगी में नई दिशा दी। विद्यालय में पहले से कार्यरत शिक्षक संतोष कुमार खांडे के साथ अब मुकेश कुमार यादव की नियुक्ति होने से कक्षाओं में नई ऊर्जा और बेहतर शिक्षण वातावरण आया। दो शिक्षकों की मौजूदगी ने न केवल पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारी, बल्कि बच्चों का स्कूल से जुड़ाव भी बढ़ाया।

पूनम और उसके सहपाठियों का कहना है कि अब वे कठिन से कठिन प्रश्न हल करना सीख गए हैं और पढ़ाई में मजा आने लगा है। पालकों ने भी मुख्यमंत्री के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि अब उनके बच्चों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, जिससे वे भी शहर के बच्चों की तरह बड़े सपने देख और पूरे कर सकेंगे। खरगा जैसे छोटे गाँवों में जब शिक्षक समय पर पहुँचते हैं, तो यह बदलाव केवल एक स्कूल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे गाँव के भविष्य को दिशा देता है। आज पूनम और उसके साथी न सिर्फ मन लगाकर पढ़ रहे हैं, बल्कि आने वाले समय में अपने गाँव और राज्य का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर विधायक चौतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भीम सिंह, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी.,डीआईजी कमलोचन कश्यप, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

लघु वनोपज के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन हेतु कार्ययोजना बनाकर ग्रामीणों के आजिविका को बढ़ाये: विजय शर्मा

उप मुयमंत्री विजय शर्मा ने ली विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री तथा गृहमंत्री विजय शर्मा ने बीते दिनों बीजापुर प्रवास के दौरान जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर कम्युनिटी पुलिसिंग सिविक एक्शन सहित आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में शासन के महत्वाकांयोजनाओं का व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नियद नेल्लानार क्षेत्रों में बिजली पानी सड़क स्कूल आंगनबाड़ी सहित मूलभूत सुविधाओं की पहुंच तथा वर्षों से वंचित ग्रामीणों को मूलभूत दस्तावेज सुलभ कराए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। परंपरागत व्यवसाय लघु वनोपज के उपलब्धता अनुसार संग्रहण प्रसंस्करण तथा व्यापक स्तर बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित करने विपणन हेतु आवश्यक कार्य योजना बनाकर आर्थिक संवृद्धिकरण की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत

बने लखपति दीदी एवं स्व सहायता समूह की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया गया। वहीं नक्सल पीड़ित एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों के रोजगार के अवसर और कौशल विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए नियमित रूप से आर्थिक गतिविधियों का संचालन करने को कहा गया।नियद नेल्लानार क्षेत्रों में स्थापित सुरक्षा कैम्पों के समीप गांवों में पढ़ें लिखे युवाओं को आवश्यक प्रशिक्षण देकर अटल डिजिटल सुविधा केंद्र चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार को लेकर बैंक सखी, एटीएम सुविधा सहित नवीन बैंकों के स्थापना हेतु जिला स्तर से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिला प्रशासन द्वारा प्रतियोगी परीक्षा हेतु संचालित युवा कैरियर एकेडमी में अध्ययनरत सुदूर क्षेत्रों के युवाओं की आवासीय सुविधाओं की जानकारी ली।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, जिला पंचायत अध्यक्ष दंतेवाड़ा नंदलाल मुड़ामी,सचिव छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास भीम सिंह, आयुक्त बस्तर संभाग डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी, डीआईजी कमलोचन कश्यप कलेक्टर संबित मिश्रा, डीएफओ रंगानाथन रामाकृष्णा वाय, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे सहित वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित थे।

पत्रकार बहनों ने मुख्यमंत्री की कलाई पर बांधी राखी : जनसेवा के मार्ग पर अटूट संकल्प और प्रगति की दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश की सभी बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और अटूट संबंध का प्रतीक है। यह पर्व हमें रिश्तों की पवित्रता और एक-दूसरे के प्रति सम्मान एवं सुरक्षा के संकल्प की याद दिलाता है।

इस अवसर पर पुलिस लाइन हेलीपैड में उपस्थित पत्रकारिता जगत से जुड़ी बहनों ने मुख्यमंत्री साय की कलाई पर राखी बाँधकर उनके दीर्घायु की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने सभी पत्रकार बहनों के स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री साय ने सभी बहनों के सुखमय, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की मंगलकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि यह पवित्र बंधन उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाने की शक्ति प्रदान करेगा।

मंत्री रामविचार नेताम ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में की मुलाकात

ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता की दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के किसान कल्याण एवं आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम अपने दिल्ली प्रवास के दौरान आज केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मंत्री नेताम ने इस मौके पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री सिंह को ऑपरेशन ÷सिंदूर÷ की सफलता के लिए बधाई दी।

उन्होंने केन्द्रीय रक्षा मंत्री सिंह से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे नक्सल अभियान के संबंध में भी चर्चा की। मंत्री श्री नेताम ने राज्य सरकार द्वारा नियद नेल्लानार अभियान के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मंत्री नेताम ने बताया कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, नियद नेल्लानार योजना के तहत आदिवासी परिवारों और उनकी बसाहटों को शत-प्रतिशत संतृप्त किया जा रहा है।

केन्द्र और राज्य प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा करते हुए मंत्री नेताम ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ के किसानों, गरीबों और मजदूरों सहित सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किए गए वायदों को पूरा कर रहे

हैं। छत्तीसगढ़ में सभी वर्ग के लोग खुशहाल हैं। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय कृषक उन्नति योजना, महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के छत्तीसगढ़ में हो रहे बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में भी जानकारी दी।

केन्द्रीय जेल रायपुर में बंदियों ने अपनी बहिनों के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केन्द्रीय जेल रायपुर में आज रक्षाबंधन के पावन पर्व भावनाओं और आत्मीयता से परिपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर बंदियों को उनकी बहिनों और परिजनों से मिलने का अवसर प्रदान किया गया। बहिनों ने अपने बंदी भाईयों की पारंपरिक तरीके पूजा अर्चना कर उनके कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और उनके स्वस्थ, सुखी एवं उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं कर भाई-बहिन

के रिश्ते को और मजबूत बनाया। कई बंदियों ने अपने परिवार से लंबे समय बाद मिलकर भावुक क्षण साझा किया। इन पलो ने न केवल कैदियों को पारिवारिक स्नेह का एहसास कराया बल्कि उनके मन में सकारात्मक बदलाव की भी प्रेरणा मिली। जेल अधीक्षक श्री योगेश सिंह क्षत्री ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहिन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। परिवार से मिलने का अवसर कैदियों के मनोबल को बढ़ाता है और समाज में पुनः स्थापित होने की उनकी इच्छा का सशक्त करता है। जेल में करीब 1281 बंदियों से मिलने 2953 बहिने आई तथा कुल 42 महिला बंदियों से 75 भाई मिलने आये। साथ ही जेल में ही परिरूद्ध 16 महिला बंदियों ने अपने बंदी भाईयों को राखी बांधी। जेल की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन, सौहार्द और भावनात्मक अपनत्व का अद्भूत संगम देखने को मिला।

प्रदेश में अब तक 655.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 655.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1100.3 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 334.4 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले मे 595.7 मि.मी., बलौदाबाजार में 557.6 मि.मी., गरियाबंद में 537.0 मि.मी., महासमुंद में 543.2 मि.मी. और धमतरी में 520.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 689.9 मि.मी., मुंगेली में 689.1 मि.मी., रायगढ़ में 807.5 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 875.1 मि.मी., कोरबा में 723.5 मि.मी., गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 647.6 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 597.5 मि.मी., सक्ती में 735.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 522.1 मि.मी., कबीरधाम में 485.9 मि.मी., राजनांदगांव में 563.9 मि.मी., बालोद में 628.2 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 814.1 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 464.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 498.5 मि.मी., सूरजपुर में 829.3 मि.मी., जशपुर में 751.7 मि.मी., कोरिया में 768.7 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 719.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

पॉम की खेती से किसानों को मिलेगा आय का स्थायी जरिया

प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष ढाई से 3 लाख रूपए की आमदनी

एक बार लगाएं तीसरे वर्ष से 30 वर्षों तक लगातार उत्पादन पाएं

केंद्र और राज्य सरकार से एक-एक लाख रूपए का अनुदान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पॉम की खेती प्रदेश के किसानों के लिए स्थायी आय का जरिया बन रही हैं। राज्य सरकार किसानों को अतिरिक्त आमदनी के साधन उपलब्ध कराने पॉम सहित अन्य उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दे रही है। वहीं पॉम ऑयल की मांग और उत्पादकता को ध्यान में रखते हुए पॉम की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय तिलहन एवं ऑयल पाम मिशन के तहत साझा अभियान शुरू किया है। जिसके तहत 2 हजार 682 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में पॉम पौधों का रोपण हो चुका है। पॉम ऑयल सबसे अधिक उपयोग में लाये जाने वाला वनस्पति तेल है। इसका उपयोग बिस्किट, चॉकलेट, मैगी, स्नैक्स और गैर खाद्य जैसे साबुन, क्रीम, डिटर्जेंट, बायोफ्यूल आदि

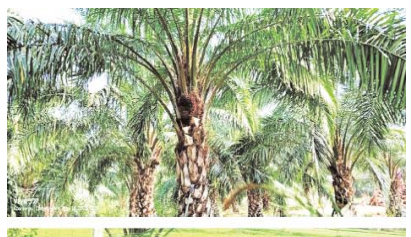

उत्पादों में होता हैं। पॉम के कृषकों को प्रोत्साहन हेतु केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के द्वारा एक-एक लाख रूपए अनुदान भी दिया जा रहा है। वहीं किसानों को निःशुल्क प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं।

देश भर में 3.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में पॉम का रोपण: केंद्र सरकार ने देश की खाद्य तेलों पर आयात निर्भरता को कम करने और किसानों की आय को बढ़ाने के उद्देश्य से नेशनल मिशन ऑन ईडएबल आयल के माध्यम से पाम आयल के उत्पादन को नई दिशा दी है। राष्ट्रीय तिलहन एवं पॉम ऑयल मिशन के तहत अब

तक देशभर में 3.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर पॉम की खेती हो चुकी है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में पॉम ऑयल का घरेलू उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़ा हैं। जबकि सरकार ने वर्ष 2029-30 तक इसका उत्पादन 28 लाख टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। केंद्र सरकार तेलंगाना, असम, मिजोरम, ओड़िशा, आंध्रप्रदेश और छत्तीसगढ़, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पॉम की खेती से रोजगार और आय का नया साधन जुटाने की दिशा में काम कर रही है।

छत्तीसगढ़ के 17 जिलों में हो रही पॉम की खेती

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश के 17 जिलों में पॉम की खेती के लिए प्रयास किए है। राज्य में प्रमुख रूप से बस्तर (जगदलपुर), कोण्डागांव, कांकेर, सुकमा नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, महासमुंद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, जाजगीर-चापा, दुर्ग, बेमेतरा, जशपुर, सरगुजा, कोरबा और बिलासपुर जिले में पाम की खेती की जा रही है। राज्य में विगत चार वर्ष में 1 हजार 150 कृषकों के लगभग 1 हजार 600 हेक्टेयर रकबे में पॉम के पौधों का रोपण किया गया है। वहीं इस वर्ष 802 किसानों के 1 हजार 089 हेक्टेयर रकबे में पॉम का रोपण कराया जा चुका हैं। रायगढ़ विकासखंड के ग्राम चक्रधरपुर के किसान श्री राजेंद्र मेहर ने उद्यान विभाग के सहयोग से अपने 10 एकड़ खेत में 570 आयल पाम के पौधों का रोपण किया है। श्री मेहर ने बताया कि यह भूमि लंबे समय से खाली पड़ी थी और वे काफी समय से उद्यानिकी फसल लेने का विचार कर रहे थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा